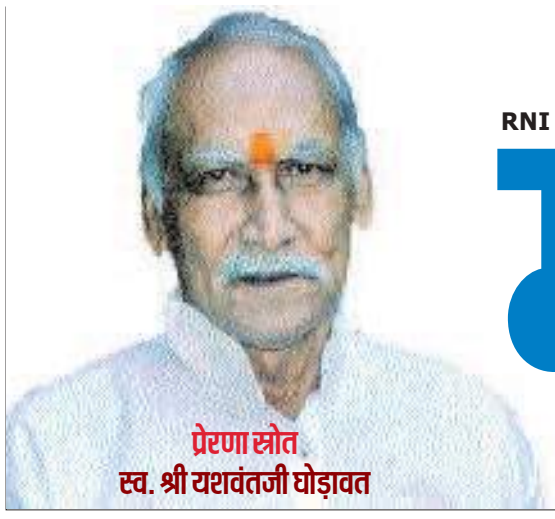

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

# माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com


सुविचार

अपने लक्ष्य के लिए तब तक तत्पर रहो, जब तक वो लक्ष्य प्राप्त न हो जाए...
-स्वामी विवेकानंदजी


वर्ष-03, अंक -28 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 15 अप्रैल 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


## न्यूज ब्रीफ

### एमपी बोर्ड परीक्षा स्थगित जून में होने की संभावना, सीबीएसई 10 वीं परीक्षा रद्द 12 वीं की परीक्षा की स्थगित

**भोपाल।** मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार के निर्देश पर प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी, हायर सेकेंडरी (व्यवसायिक), डिप्लोमा इन प्री स्कूल एजुकेशन, शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षाएं अब जून माह में आयोजित की जाएंगी। यह परीक्षाएं जून माह के प्रथम सप्ताह से आरंभ की जाकर अंतिम सप्ताह तक संपन्न कराई जाएंगी। विस्तृत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम शीघ्र जारी किया जाने का हवाला दिया गया। उल्लेखनीय है कि, मंडल द्वारा यह परीक्षाएं 30 अप्रैल एवं 1 मई से प्रारंभ होना नियत थी। प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण से बचाव और रोकथाम के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य एवं लोकहित में यह निर्णय लिया गया है। वहीं प्रदेश के साथ पुरे देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना के केस के मद्देनजर सीबीएसई बोर्ड ने 10 वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। वहीं 12 वीं की परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है। पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद सीबीएसई ने यह निर्णय लिया है। बैठक में पीएम नरेन्द्र मोदी ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं को कराने को लेकर चर्चा की। इस दौरान शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक से विचार विमर्श किया। सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाओं को रद्द करने की मांग की जा रही थी, जिसके बाद से पीएम नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक और शिक्षा मंत्रालय के उच्चाधिकारियों के साथ बुधवार को हुई बैठक में सीबीएसई बोर्ड 10 वी की परीक्षाओं को रद्द व 12 वीं की परीक्षा स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

### राहुल ने वैक्सीन के आयात पर कसा मोदी सरकार पर तंज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोरोना संकट से निपटने के लिए विदेशी टीकों को फास्ट ट्रैक परमिशन देने के केंद्र सरकार के फैसले पर राहुल गांधी ने तंज कसा है। कांग्रेस नेता ने विदेशी टीकों के आयात की मांग की थी, लेकिन तब कई केंद्रीय मंत्रियों ने उनकी राय को खारिज कर दिया था और उन पर हमला बोला था। उसी का अप्रत्यक्ष तौर पर जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने तंज कसते हुए ट्वीट किया है। राहुल गांधी ने लिखा है, पहले वे तुम्हें इग्नोर करेंगे, फिर तुम पर हंसेंगे, फिर वो तुमसे लड़ेंगे, फिर तुम जीत जाओगे। दरअसल राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले सरकार से आग्रह किया था कि विदेश में निर्मित टीकों के भारत में उपयोग को अनुमति दी जाए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने उन पर विदेशी कंपनियों के लिए लॉबिंग करने का आरोप लगाया था। देश में टीकों की उपलब्धता बढ़ाने और देश में टीकाकरण की गति तेज करने के मकसद से केंद्र सरकार ने अन्य देशों में आपात इस्तेमाल के लिए अधिकृत, विदेश निर्मित कोविड-19 टीकों को मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

### भाई-बहन हैं मोदी और बेनर्जी- असदुद्दीन ओवैसी

**आसनसोल एजेंसी।** बंगाल में विधानसभा चुनाव का घमासान अपने चरम पर है। इस बीच एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने तंज कसा है। बंगाल के आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि, ममता बनर्जी और नरेंद्र मोदी में कोई अंतर नहीं है। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने आगे कहा, नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी भाई-बहन हैं, जो अपने बयानों से लोगों को मुर्ख बना रहे हैं।

### मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना पॉजिटिव ट्वीट कर दी जानकारी

**लखनऊ, एजेंसी।** कोरोना के बढ़ते प्रभाव के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बुधवार को मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि, उन्होंने कोरोना के शुरुआती लक्षण दिखने के बाद उन्होंने अपनी जांच कराई थी, उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वह आइसोलेशन में है और डॉक्टरों के परामर्श का पालन कर रहे हैं। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पहले उनके स्टाफसदस्यों की भी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। ट्वीट करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि, वह सभी कार्य वर्चुअली संबोधित करेंगे तथा प्रदेश सरकार की सभी गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित की जाएंगी। वहीं उन्होंने संपर्क में आए लोगों से जांच अवश्य करा लेने और एहतियात बरतने की बात कही है।

## टीका टिप्पणी नहीं टीकाकरण पर ध्यान दें नेता

# जनप्रतिनिधि दोहरी बयानबाजी व तुच्छ राजनिति से बाज आए

**माही की गूंज, संजय भटेवरा**

कोरोना महामारी का दूसरा चरण जितना घातक होता जा रहा है उसी अनुपात में आम जनता में लापरवाही भी बढ़ती जा रही है और रही सही कसर जिम्मेदार पदों पर बैठे राजनेता की बयान बाजी पूरी कर रही है। जिससे इस बीमारी का स्वरूप और भी ज्यादा घातक होता जा रहा है। मुख्यमंत्री से लेकर सांसद, विधायक तक इस आपदा की घड़ी में अपनी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं, जबकि फिलहाल इस बीमारी का केवल एक उपाय नजर आ रहा है और वह है टीकाकरण और बचाव के लिए मास्क, सैनेटाइजर और शारीरिक दूरी कारगर उपाय है। प्रधानमंत्री स्वयं टीका लगवाकर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं और देश में इस संकट की घड़ी में टीका उत्सव मनाया जा रहा है। रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर सांसद को इस आपदा में भी राजनीति सूझ रही है। वे जिला आपदा समूह की बैठक में सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि, कोरोना के नाम पर हमारे आदिवासी समाज के विवाह समारोह के नाम पर अनावश्यक परेशान नहीं किया जाए, जिले में कोरोना की भयावह स्थति नही है, शादी हो रही है और कर रहे है शादी। ऐसा कहकर वे क्या साबित करना चाहते हैं? वह भी इस कोरोना काल के विकट समय में बिमारी को बढ़ावा देने जैसे बेतुके बयान देना क्या उचित है? क्या केवल आदिवासी समाज के ही सांसद है? अन्य वर्ग या समाज के सांसद नहीं है? तो सांसद महोदय यह कहना चाहते हैं कि, लॉकडाउन में केवल आदिवासी समाज ही प्रभावित होता है, अन्य समाज नहीं। ये ही नहीं सांसद महोदय आगे कहते हैं कि, आने वाले समय में हमें नगरीय व पंचायतों के चुनाव लड़ना है, ऐसे में लोगों को परेशान करने से वे शासन के खिलाफहो सकते हैं। यानी महामारी से लड़ने में भी राजनीति...! जबकि सांसद पद की शपथ लेते समय संविधान की कसम खाई जाती है और हमारा संविधान सभी को एक दृष्टि से देखता है, तो इस विकट समय में ऐसी तुच्छ राजनीति क्यों...? वहीं सांसद कह रहे है जिले में कोरोना की भयावह स्थति नही है, शादियां जैसे हो रही है होने दो, तो फिर से सोमवार की आपदा प्रबंधक समिति की बैठक रख 8 दिन के लिए लॉकडाउन का प्रस्ताव शासन को क्यों भेजा, और उक्त बैठक में जिला प्रशासन ने शादी समारोह में डीजे व सामुहिक भोजन पर भी क्यों रोक लगाई? के प्रश्न भी जिले की जनता सांसद से कर रही है। हमारा ये ही कहना है, यह समय राजनीति करने का नहीं है सभी को एकजुट होकर इस कोरोना रूपी अदृश्य शत्रु से मुकाबला करने का है।

सांसद गुमान की तुच्छ राजनिति बयान का विडियो देखे क्युआर कोड स्केन कर।

कुछ इसी प्रकार का दोहरा बयान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिया गया। भोपाल में कोरोना नियंत्रण की बैठक में वे प्रदेश की जनता से अपील करते हैं लोग अपने घरों में ही रहे। आवश्यक कार्य होने पर ही वे घरों के बाहर निकले और उसी दिन वे दमोह में आम सभा करके लोगों से आह्वान करते है कि, यह चुनाव दमोह की जनता को लड़ना है, वह घरों से बाहर निकले और भाजपा के पक्ष में कार्य करें। यह दोहरी मानसिकता आखिर क्यों...? चुनाव करवाना संवैधानिक बाध्यता हो सकती है और केवल एक सीट पर होने वाले चुनाव का सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। इस एक सीट से विपक्ष को भी कुछ हासिल नहीं होने वाला है। फिर केवल एक सीट के लिए इस महामारी में नेता आम जनता की जान जोखिम में डालने पर क्यों तूली है...? बेहतर तो यही होता कि, ये सीट केवल स्थानीय नेताओं के भरोसे छोड़ दी जाती और इस सीट का फैसला जनता स्थानीय नेताओं के प्रचार पर ही कर लेती। शीर्ष स्तर के दोनों ही दलों के नेता इस महामारी से लड़ने में एक साथ मिलकर कार्य करते तो, इस महामारी के संकट से निपटने में न केवल मदद मिलती वरन् आम जनता का नेताओं के प्रति जो विश्वास खोता जा रहा है उसे प्राप्त करने में मदद मिलती।

निःसंदेह संकट की इस घड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे आत्मनिर्भर भारत के नारे के मायने बदल दिए हैं। आम जनता का यही कहना है कि, इस महामारी में सरकार ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं, अस्पतालो में बिमार व्यक्ति के लिए जगह नहीं है, जनता को अपनी सुरक्षा स्वयं करना है। क्या यह आत्मनिर्भर भारत है...? वहीं कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री के आपदा को अवसर में बदलने के नारे को भी अपने हितों की रक्षा की पूर्ति का साधन बना लिया है, वे इस आपदा को अपने लिए अवसर में बदलने में जी जान से जुटे हैं। ऑक्सीजन की कमी और रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी ने यह साबित कर दिया है।

बहरहाल माही की गूंज आप से अपील करता है कि, संकट की इस घड़ी में अपना धैर्य न खोए... आत्मविश्वास बनाए रखें... मास्क का प्रयोग करें... और अपनी बारी आने पर टिक्का अवश्य लगवाएं... जीतेगा भारत... हारेगा कोरोना।

## ऑक्सीजन की किल्लत, डॉक्टर बोले अपना सिलेंडर लाओ या कहीं और जाओ

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर कहर बन टूट पड़ी है। कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। राज्य में रेमडेसिविर दवा और ऑक्सीजन की भारी किल्लत हो गई है। ऑक्सीजन की कमी के चलते प्रदेश की राजधानी भोपाल के 100 से ज्यादा अस्पतालों में भर्ती मरीजों की सांसें सांसत में पड़ गई हैं। अस्पतालों ने मरीजों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है, उनके परिजनों को जवाब दिया है कि, या तो अपना ऑक्सीजन सिलेंडर लाओ या मरीज को कहीं और ले जाओ। इसके बाद से अपनों की जान बचाने के लिए मरीजों के परिजन यहां वहां भटक रहे हैं। भोपाल में सोमवार रात से चल रही ऑक्सीजन की किल्लत से अस्पताल संचालक, मरीजों के परिजन और जिला प्रशासन के अफसर हैरान-परेशान हैं। ज्यादातर अस्पतालों ने नए मरीजों को भर्ती करना बंद कर दिया है। वहीं पहले से भर्ती मरीजों के परिजनों से कह दिया गया कि, या तो अपना ऑक्सीजन सिलेंडर लाओ या मरीज को कहीं और ले जाओ। इसके बाद से कई परिजन अपने मरीजों को एंबुलेंस से लेकर इधर-उधर भटकते रहे। बाद में उन्हें हमीदिया, एलबीएस, पीपुल्स अस्पताल में भर्ती कराया। ऑक्सीजन की कमी के कारण एविसेना अस्पताल से सोमवार को एक मरीज की छुट्टी कर दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसकी मंगलवार को एलबीएस अस्पताल में मौत हो गई।

## वॉकओवर है या जनता लड़ रही है भाजपा के खिलाफ चुनाव

**दमोह।** विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस के बड़े नेता प्रचार की औपचारिकता करते दिखाई दे रहे हैं। जबकि सत्ताधारी दल भाजपा प्रचार में बेहद आक्रामक नजर आ रही है, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर दूसरे दिन दमोह में चुनावी सभा कर रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं का बयानी जोर इस बात पर है कि, कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए चुनाव आयोग को उप चुनाव को टाल देना चाहिए। छह माह के भीतर चुनाव कराना आयोग की संवैधानिक बाध्यता है, 17 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

**क्या भाजपा को मिल गया कांग्रेस से वॉकओवर**

दमोह में राहुल लोधी भाजपा के उम्मीदवार हैं, लोधी ने वर्ष 2018 के आम चुनाव में दमोह से ही कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीता था। पिछले साल अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में लोधी ने विधायकी से इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी, लोधी के मुकाबले में कांग्रेस ने अपने पुराने नेता अजय टंडन को मैदान में उतारा है, टंडन को लोधी की तरह पार्टी के बड़े नेताओं का प्रचार में समर्थन नहीं मिल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ सिर्फदो बार ही दमोह गए हैं, दूसरे बड़े नेता दिग्विजय सिंह दो दिन दमोह में रहे। इनके अलावा कोई अन्य बड़ा नेता प्रचार में सक्रिय दिखाई नहीं दिया। बड़े नेताओं के प्रचार से अलग दिखाई देने के कारण यह संदेश स्वाभाविक तौर पर जा रहा है कि, कांग्रेस ने भाजपा को वॉकओवर दे दिया है।

**कांग्रेस की दूसरी पंक्ति के नेता कर रहे हैं प्रचार**

कांग्रेस में ऐसा नेताओं की कमी है जो वोटर और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय हो, कांग्रेस ने अपने आधा दर्जन से अधिक पूर्व मंत्रियों और विधायकों को चुनाव की जिम्मेदारी दी है। लेकिन, ये चेहरे भाजपा के दिग्गज नेताओं के मुकाबले में कमजोर दिखाई दे रहे हैं. सुरेश पचौरी, अजय सिंह तथा कांतिलाल भूरिया जैसे चेहरे भी उप चुनाव के मैदान में दिखाई नहीं दे रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अरूण यादव जरूर प्रचार के लिए जा रहे हैं, वे कमलनाथ के साथ रोड शो में दिखाई देंगे।

# कारस्तानी : भ्रष्ट चैनसिंह जातिवाद का बीज बोकर झूठे बयान दिलवाकर बचने का कर रहा प्रयास

**माही की गूंज, खवासा**

भ्रष्टो की न कोई जात-पात होती है न कोई जमीर, भ्रष्टाचार की डुबकी लगाने वाले सिर्फअपना उल्लू सीधा करने के लिए किसी को भी अपना हथियार बना लेते है और गरज पडने पर किसी के भी चरणों में नतमस्तक हो जाते है वहीं गरज निकलने के बाद काले कारनामों में हथियार बनाए गए व्यक्ति को भी लात मारने में कोई कसर भ्रष्ट नहीं छोड़ते।

ऐसा ही कुछ मामला आ.जा.सह. संस्था भामल में देखा जा रहा है। यहां लंबे समय से संस्था के प्रबंधक के रूप में आसीन चैनसिंह राठौड़ अपने राजवाड़ी रुबाब के साथ जमकर भ्रष्टाचार किया और कई किसानों के नाम से फर्जी रूप से बिना ब्याज वाला सीसी लोन की राशि निकाल ली गई और कृषि ऋण माफी में समायोजन होकर लाखों के व्यारे-न्यारे करने वाला भ्रष्ट चैनसिंह का एक और मामला स्वयं की गाड़ी में बाजरा खाद्यान्न एवं खाली बारदान संस्था में पदस्थ सेल्समैन बाबू के घर के आगे, स्वयं की कार को खड़ी कर भामल संस्था की दुकान में पदस्थ सेल्समैन को आदेश कर दो बाजरा से भरे कट्टे व खाली बारदान गाड़ी में रखवाए। जब माही की गूंज के कैमरे ने चैनसिंह के उक्त खाद्यान्न की हेरा-फेरी को केद करने के बाद, चैनसिंह दो कट्टे बाजरा के अलावा अन्य और कट्टे गाड़ी में नहीं रखवा पाया और दो कट्टे खाद्यान्न व खाली बारदान की कालाबाजारी करते हुए सेल्समैन बाबू के घर से कार लेकर रफूचक्कर हो गया।

मामला माही की गूंज में उजागर होने पर तत्काल चैनसिंह को पद से हटाने व कमलेश पाटीदार को चार्ज देने का आदेश सीसीबी बैंक शाखा बामनिया के प्रबंधक ने जारी किया। सारा मामला उजागर होने व आदेश जारी होने के बाद भी पद पर बने रहने के लिए सारे अथक प्रयास भ्रष्ट चैन सिंह ने किए। माही की गूंज द्वारा सतत प्रकाशित समाचारों के बाद चैनसिंह को अपना चार्ज संस्था के सेल्समैन को देना ही पड़ा। वही चैनसिंह अपनी कारस्तानी दिखाकर जातिवाद का बीज बोकर व राजनीतिक प्रभाव के साथ सभी के आगे चरण वंदन कर मामले को दबाने के लिए दूसरों को भी आरोपों के कटघेरे में लाकर खड़ा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

### झूठे बयानों के आधार पर बचने का प्रयास कर रहा चैनसिंह

व्यक्ति कितना भी शातिर हो परंतु उनकी भ्रष्ट कारस्तानियां सामने दिख ही जाती है। भामल संस्था की दुकान से कुछ ही दूरी पर बाजना मार्ग पर ही सामने वाली लाइन में रहने वाला विक्रम पिता भुवानसिंह चावड़ा (राठौड़) ने अपने रिश्तेदार भ्रष्ट चैनसिंह को बचाने के लिए भामल निवासी होन के बाद भी अपने आपको पंचायत के ग्राम रूपारेल का निवासी बता दिया। साथ ही थांदला एसडीएम को झूठे कथन देते हुए रूपारेल निवासी बताकर भामल उचित मूल्य की दुकान से विक्रम सिंह ने माह फरवरी का खाद्यान पात्रता पर्ची अनुसार गेहूं, बाजरा और चावल लिया और पड़ोस के घर में रखा था, उधर से प्रबंधक ऑफिस से घर जा रहे थे तो मैंने साहब से बोला कि, मेरा खाद्यान्न आपकी गाड़ी में रख लो मेरे घर पर उतार लूंगा, उनकी गाड़ी में खाद्यान्न रख मेरे घर पर खाद्यान्न उतार लिया, कथन दिए। वही समाज के ही अन्य कथनकर्ता उर्फसंस्था का अन्य एक सेल्समैन बाबूराम सिंह नकुम का भाई नानालाल पिता रामसिंह नकुम जो कि, उक्त दोनों भाई एक ही मकान में संस्था की दुकान की लाइन में ही थोड़ी ही दूरी पर रहते हैं और इसी मकान के आगे भ्रष्ट चैनसिंह ने अपनी निजी कार खड़ी कर सेल्समैन नन्नू जैन को कहकर अपनी कार में बाजरा के कट्टे व खाली बारदान रखवाकर खाद्यान्न की हेरा-फेरी की थी। नानूराम भी अपने भाई बाबू व भ्रष्ट चैनसिंह के इशारों पर एसडीएम को झुटे कथन देते हुए बताया कि, फरवरी का खाद्यान्न गेहूं, चावल, बाजरा मिला था जो तुलवाकर वही पास में रखा था, मैनेजर साहब ऑफिस से घर जा रहे थे उनकी गाड़ी में खाद्यान्न रख मेरे घर खाद्यान्न उतारा।

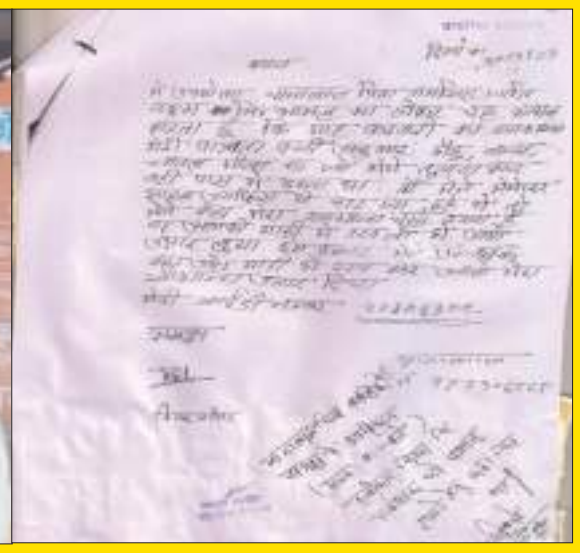

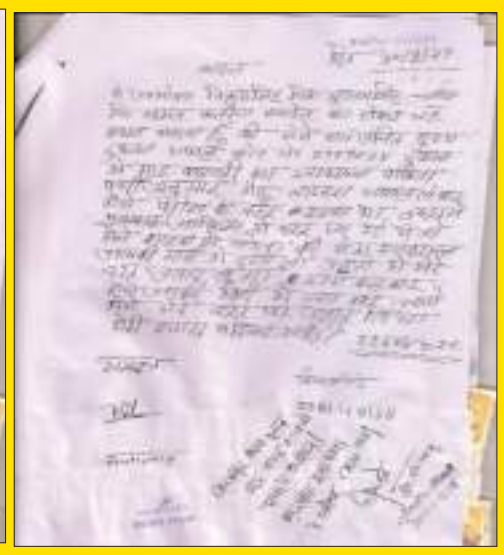

### सेल्समैन नन्नू जैन भी दिखा रहा अपनी कारस्तानी, नहीं दे पा रहा जवाब

भ्रष्ट अपने काले कारनामों को छुपाने के लिए कितना भी कुछ कर ले परंतु वह हकीकत का सामना कभी नहीं कर पाता है। यह सही है कि, नन्नू जैन खाद्यान्न विक्रय में कई घालमेल करता रहा है, जिसकी पूरी पोल चैनसिंह जानता है। वरन् खाद्यान्न की कई हेरा-फेरी चैनसिंह के इशारों पर भी नन्नू जैन दिन दहाड़े व रात के अंधेरे में भी करता रहा है। नतीजन आज भ्रष्ट सेल्समैन नन्नू जैन के पास माही की गूंज के सवालों का जवाब नहीं होने से जवाब देने में टालमटोल कर रहा है।

गूंज कार्यालय से नन्नू जैन से 6266068439 पर फोन कर विक्रमसिंह व नानालाल कितना-कितना व कौन-कौन सा खाद्यान्न फरवरी माह का और किस दिनांक में ले गए? की जानकारी चाही, परंतु मंगलवार को कहा शाम 4 बजे आकर जानकारी दे दूंगा व बुधवार को जानकारी मांगी तो एक को 30 किलो व एक को 20 किलो बाजरा ही दिया था बताया। गूंज ने पूछा, किस दिनांक को खाद्यान्न दिया व बाजरा ही दिया था तो कथन में गेहूं व चावल देना कैसे बताया? भ्रष्टाचार में शामिल नन्नू जैन जिनका जवाब मोबाइल में रिकॉर्ड होने के डर से नहीं दे पाया और 10 मिनट में गूंज कार्यालय आकर जानकारी देने की बात कह कर फोन काट दिया। लेकिन समाचार लिखे जाने तक भी भ्रष्ट नन्नू जैन गूंज के सवालों का जवाब देने नहीं आया।

पूरे मामले में उक्त कथन झूठे कथन इसी बात से साबित होते हैं कि, नानालाल व विक्रम को गेहूं, बाजरा व चावल तीनों सामग्री मिली थी और यह तीनों सामग्री अलग-अलग छोटे-छोटे कट्टे में ही होगी। जो आराम से अगर उसी दिनांक को सही में भी खाद्यान्न लिया हो तो आराम से उठाकर ले जा सकते थे। दोनों के मिलाकर छह खाद्यान्न के छोटे कट्टे होंगे यह तय है, वही चैनसिंह पर सिर्फ बाजरा के 50-50 किलो के दो बोरे पेक यानी 1 क्विंटल बाजरा व खाली बोरे की हेरा-फेरी के आरोप है, तथा उक्त कथन प्रथम दृष्टिया ही झूठे साबित हो रहे हैं। परंतु राजनीतिक दबाव में आकर प्रशासन भी झूठे बयानों की पुष्टि नहीं कर पा रहा है।

# लगातार बढ़ रहा मौतों का सिलसिला, कोरोना के साथ-साथ सामान्य मौतों के कारण दहशत का माहौल

## अंतिम संस्कार में शामिल होने से भी कतरा रहे लोग

**माही की गूंज, पेटलावद**

विकास खण्ड में लगातार बढ़ती मौत के मामलो के कारण लोग में भय का माहौल बना हुआ है। पेटलावद, बरवेट, झकनावदा में एक-एक मौत कोरोना से हो चुकी हैं, जबकि नगर सहित आस-पास के गांवों से लगातार मौत की खबरे आ रही है जिनको सामान्य मौत माना जा रहा है, क्योंकि उनका इलाज घर पर या स्थानीय स्तर पर ही चल रहा था। पिछले 15 दिनों में मौत का आंकड़ा विकास खण्ड में 30 से 40 हो गया है मतलब प्रति दिन दो या उससे भी अधिक मौत होने की जानकारी मिल रही है। अकेले पेटलावद और बामनिया में पिछले तीन-चार दिनों में 7 से 8 मौत हो चुकी हैं। मरने वालों में ज्यादातर बुजुर्ग है और सामान्य मौत होने के बाद भी कोरोना के कारण बने भय का माहौल बना हुआ है और अंतिम संस्कार में गिने चुने लोग देखे जा रहे हैं।

**बड़े शहरों तक नही पहुंच पा रहे अन्य बीमारी के मरीज इसलिए भी बढ़ रहा मौत का आंकड़ा**

कोरोना के चलते रतलाम, दाहोद, बड़ोदा के बड़े हॉस्पिटलो में ज्यादातर कोरोना के मरीज भर्ती हैं, वही कई अस्पतालों में मरीजों को या तो भर्ती करना बंद कर दिया है या फिर सबसे पहले कोरोना की जांच करवाना जरूरी कर दीया है। जिससे गंभीर और अन्य बीमारी से पीड़ित लोगों के परिजन कोरोना की रिपोर्ट करवाने के डर के कारण लोगो ने बडे अस्पतालों से दूरी बना ली है। जिससे समय पर इलाज नही पाने के कारण भी मौत के आंकड़े में बढ़ोतरी हो रही है। शहरी क्षेत्र ही नही ग्रामीण अंचल में भी मौत का सिलसिला जारी है लेकिन जांच के अभाव में मौत के सही कारण पता नही चल पा रहा है। दो दिन पूर्व ग्राम पंचायत मोहनकोट में एक व्यक्ति की बुखार के बाद अचानक मौत हो गई।

# राकेश पाठक का कोरोना से निधन, पत्रकार जगत में भी शोक

**माही की गूंज, थांदला**

वैश्विक महामारी कोरोना के दूसरे दौर में क्षेत्र में भय का वातावरण निर्मित हो चुका है। नगरीय क्षेत्र में जहां कोरोना से अनेक परिवार पीड़ित है, जिनके आकड़ो की गिनती भी इसलिए मुश्किल है कि, कोरोना पीड़ित व्यक्ति परिवार स्वयं दाहोद, बड़ोदा, इंदौर के निजी चिकित्सालयों में जाकर अपना इलाज करवा रहे है। तो अनेक परिवार अपने घरों में ही कैद होकर इलाजरत है। अब तो क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में भी कोरोना ने अपने पैर पसार दिए है। ग्रामीणजन आज भी टोने-टोटके व अवैध रूप से संचालित झोलाछाप बंगाली चिकित्सको के पास इलाज करवा रहे है। क्षेत्र में कोरोना से मौतो का सिलसिला भी जारी है।

**श्री पाठक कोरोना से जंग हारे**–थांदला के पत्रकार एवं एडव्होकेट राकेश पाठक (47) बुधवार को कोरोना से जंग हार कर मौत के गाल में समा गए। मात्र 4 दिनों में हंसता-खेलता परिवार बिखर गया। 3 अप्रेल से उनका स्वास्थ्य बिगड़ा हुआ था, पिछले 4 दिन पूर्व सर्दी-जुकाम की तकलीफहुई व जांच में कोरोना पॉजिटिव आने पर इलाज हेतु गुजरात के निजी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां स्वास्थ्य सुधार पर आने के बाद अचानक बुधवार सुबह गोधरा के चिकित्सालय में दम तोड़ दिया। राकेश पाठक का दाह संस्कार शासन की गाईडलाइन अनुसार गोधरा में ही कर दीया गया। नगर में यह खबर फैलते ही हर कोई स्तब्ध रह गए, वही पत्रकार जगत में व अभिभाषक में शोक की लहर छा गई। थांदला नगर व क्षेत्र का पत्रकार जगत इस खबर से स्तब्ध रह गया। जिला प्रत्रकार संघ के साथ सभी पत्रकारों ने उनके निधन पर सामूहिक रूप से शोक संवेदना व्यक्त कर पीड़ित पत्रकार परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की।

# कोविड-19: साप्ताहिक हाट बाजार बंद, ग्राम पंचायत ने ग्राम में करवाई मुनादी

**माही की गूंज सारंगी, संजय उपाध्याय**

बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिए जिला प्रशासन के आदेशानुसार जिले में साप्ताहिक हाट पर प्रतिबंध लगाया गया, इसी आदेश के तहत ग्राम पंचायत सारंगी में भी गुरुवार को लगने वाला हाट बाजार आगामी आदेश तक बंद रहेगा की जानकारी ग्राम पंचायत सारंगी द्वारा ग्राम में मुनादी करवा दी गई है। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, शादी विवाह कार्यक्रम में बंद हॉल में 50 एवं खुली जगह पर 100 से अधिक लोगों के शामिल होने पर प्रतिबंध रहेगा। सामूहिक भोज भी नहीं किया जाएगा। उपरोक्त नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह सूचना जिला प्रशासन झाबुआ के आदेश अनुसार ग्राम पंचायत सारंगी द्वारा मुनादी कर दी जा रही है।

# भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

**माही की गूंज, पेटलावद**

स्थानीय नई बस्ती में स्थित भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर उनकी जयंती पर माल्यार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बाबा साहेब के अनुयाई सहित नगर परिषद एवं भाजपा मंडल के पदाधिकारी उपस्थित हुए। आयोजन में नगर परिषद अध्यक्ष मनोहर भटेवरा, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष विनोद भंडारी, मंडल उपाध्यक्ष गौतम गहलोत, पार्षद जगदीश जाटव, अनुसूचित जाती मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश यादव, संजय कहार, ममता प्रवीण पंवार, राजू सतोगिया, नानूराम गामड़, डेरीज़ जिलाध्यक्ष मुकेश सिसोदिया, मनोज परमार, बलदेवसिंह, भेरूलाल पडियार, जितेंद्र जाटव, नीलेश सोनी आदि उपस्थित थे।

# शहरी क्षेत्र में सांक्षिप्त लॉकडाउन से कोरोना में नही आ रही कमी लम्बे लॉकडाउन के लिए तैयार व्यापारी

**माही की गूंज, मेघनगर**

मेघनगर के सभी व्यापारियों ने बढ़ते कोरोना केस एवं महामारी को देखते हुए मेघनगर में जिस प्रकार प्रशासन के द्वारा शनिवार एवं रविवार को संपूर्ण लॉकडाउन रहता है, बाकी के बचे शेष दिनों में सुबह 6 से 12 बजे तक व्यवसाय खुला रहे, केवल मेडिकल को छोड़कर सभी व्यवसाय 12 बजे बाद पूर्णता लॉकडाउन रहे, यह निर्णय केवल 1 सप्ताह यानी अगले शुक्रवार तक सहमति बनी है। यह निर्णय मेघनगर अनुविभागीय अधिकारी एवं सीएमओ विकास डावर एवं मेघनगर थाना प्रभारी सभी व्यापारी के बीच हुई। इसके बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं होता है तो सभी व्यापारी एक लंबे लॉकडाउन के लिए तैयार है।

# औद्योगिक क्षेत्र में भंगार के कारखाने में लगी आग

**माही की गूंज, मेघनगर**

मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में भंगार का व्यवसाय करने वाले लादेन बाबा के नाम से मशहूर लादेन भाई भंगार वाले के भंगार के गोडाउन में आग लग गई। गोडाउन में बडी मात्रा में पूस्टे, अखबार रद्दी, प्लास्टिक एवं कई तरह के भंगार की वस्तु रखी हुई थी। आंग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया एवं सभी सामान लाखों रूपए का जलकर खाक हो गया।

# कोरोना कॉल में झोलाछाप की चांदी, स्वास्थ विभाग मूकदर्शक बनकर बैठा, कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता

**माही की गूंज बनी, ऋषभ गुप्ता**

कोविड-19 से पूरे प्रदेश के हालात काफी खतरनाक होते जा रहे हैं, रोज नए मरीजों का इजाफा हो रहा है। वहीं पेटलावद तहसील के हर गांव में झोलाछाप बंगालियों द्वारा कोरोना गाईडलाइन का पालन न करते हुए अपने क्लीनिक में खुलेआम भोले-भाले आदिवासियों का इलाज कर चांदी कमाई जा रही है। पेटलावद तहसील के ग्राम बनी में दो झोलाछाप बंगाली पिछले कई वर्षों से अपना क्लीनिक संचालित कर रहे हैं और इनके क्लीनिक को पर मरीजों की भीड़ लगी रहती है लेकिन इन्हें किसी भी प्रकार का डर नहीं है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, इनकी सेटिंग ऊपर तक है इस वजह से इनके ऊपर कोई भी कार्रवाई नहीं करता और इनके द्वारा भोली-भाली जनता को सरेआम लूटा जा रहा है। उनका नेटवर्क इतना तगड़ा है कि, एक और झोलाछाप बंगाली ने बनी में आकर अपना क्लीनिक बेखौफसंचालित कर लिया है और मुख्य मार्ग पर अपने क्लीनिक को संचालित कर रहा है। इन अवैध झोलाछाप के पास में ना तो कोई डिग्री है और न ही सरकार के द्वारा कोई पंजीयन नंबर जारी किया गया है। इन सब बातों से स्पष्ट होता है कि, इन को किसी भी बड़े आला अधिकारी का आशीर्वाद प्राप्त है।

बनी में पिछले कई वर्षों से जमे दो बंगालियों के खिलाफएफआईआर दर्ज होकर जिला न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा किया गया है, आज भी न्यायालय में केस विचाराधीन है। लेकिन इन्हें किसी का भी डर नहीं है इनके द्वारा अपने आका को मोटी रकम दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इनके ऊपर कार्रवाई की जाती है तो इनको पहले से ही सूचना मिल जाती है और वह अपना क्लीनिक या तो बंद कर देते हैं या भाग जाते हैं। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग के अफसर रवाना हो जाते है। थोड़ी सी हिम्मत कर इनके क्लीनिक में अंदर जाकर देखे तो एलोपैथिक दवाइयों का जखीरा अवश्य मिलेगा और इन झोलाछाप बंगालियों ने अपने क्लीनिक के अलावा अपना आवास अलग बना रखा है, वहां भी कई तरह की अवैध एलोपैथिक दवाइयां मिल जाएगी जिन पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। इन इन बंगालियों की आर्थिक स्थिति कितनी मजबूत है इसका अंदाजा इनके क्लीनिक और आवास स्थान दोनों अलग-अलग किराए पर होना बताता है।

# बरवेट उपस्वास्थ्य केंद्र का नया भवन अधर में लटका

## ठेकेदार ने एफडीआर वापस कर की टेंडर निरस्त करने की मांग, कलेक्टर द्वारा आवंटित शासकीय भूमि का मामला न्यायालय में पहुंचने से अटक गया भवन

**माही की गूंज, पेटलावद**

विकास खण्ड पेटलावद के ग्राम पंचायत बरवेट में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए जाने वाला उप स्वास्थ्य केंद्र का नवीन भवन अब निरस्त होने की तैयारी में है। लगभग 3 वर्षो से उक्त भवन, भूमि से जुड़े विवाद के कारण नही बन सका है। ठेकेदार ने उक्त भवन को अब निरस्त कर जमा एफडीआर के लिए आवेदन विभाग में कई बार दे दिया है, साथ ही निर्माण शुरू करने के लिए ठेकेदार द्वारा भूमि रिक्त कर देने के लिए विभाग को कई बार लिखा लेकिन विभाग ने इसकी कोई सूद नही ली।

### 30 लाख की लागत से बनना था उपस्वास्थ्य केंद्र का नया भवन, अब लागत और बड़ी

ग्राम पंचायत बरवेट में 30 लाख की लागत से उपस्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनना था, जिसके के लिए ग्राम पंचायत ने समस्त प्रक्रिया कर शासकीय सर्वे नम्बर 409 की भूमि पर निर्माण हेतू तय कर दिया। भूमि की स्वीकृति तत्कालीन जिला कलेक्टर आशीष सक्सेना द्वारा दी गई थी। जिसके बाद पेटलावद के राजस्व अमले ने उक्त सर्वे नम्बर की भूमि का निर्माण हेतु नपती कर भूमि के आस-पास मौजूद अतिक्रमण को हटा भी दिया था।

जर्जर हो चुका पुराना उप स्वास्थ्य केंद्र भवन जहा सुविधाओं का अभाव है।

### विवाद में पड़ी भूमि, नही हो सका निर्माण

विकास और सुविधाओं को देखते हुए अतिआवश्यक और सुविधा युक्त उप स्वास्थ्य केंद्र की दरकार थी। लेकिन ग्राम बरवेट के कुछ लोगो ने उक्त भूमि को अपनी निजी भूमि बताते हुए राजस्व अमले का विरोध कर नायब तहसीलदार के साथ मारपीट कर दी और बाद में भूमि पर अपना स्वामित्व बताते हुए मामला स्टे के लिए न्यायालय में पहुंच गया। न्यायालय ने कोई स्टे तो नही दिया लेकिन प्रकरण स्वीकार कर लिया, जिसकी आड़ में भवन का निर्माण का कार्य अब तक अटक पड़ा है।

इस दौरान आपत्तिकर्ता और प्रशासन के मध्य सुलह-समझौते के भी प्रयास ग्राम की स्वास्थ्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए किए गए, लेकिन कोई परिणाम नही निकला।

### कोई स्टे ऑर्डर नही, प्रशासन और पंचायत की दिखी उदासीनता

मामला हालांकि न्यायालय में है, उक्त मामले में शासकीय सर्वे नम्बर 409 को अपनी भूमि बताने वाले आपत्तिकर्ता को न्यायालय से कोई स्टे आर्डर नही मिला है, जिससे प्रशासन उक्त भूमि पर निर्माण करने के लिए स्वतंत्र था। निर्माण शुरू होने की स्थति में विवाद से निपटने के आश्वासन और सहयोग नही मिलने के कारण कार्य शुरू नही हो सका। बाद में प्रशासन, ग्राम पंचायत, स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता और भवन निर्माण को लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रशासन पर अप्रत्यक्ष रूप से निर्माण अन्य स्थान पर करने के दबाव डालने के कारण ग्रामीणों को भवन और सुविधाओं की सौगात से अब तक वंचित होना पड़ा है।

### महामारी में मिलता लाभ, ठेकेदार ने सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

उप स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण नही होने से अब हर किसी को लग रहा होगा कि, भवन बन जाना था, जिससे गंभीर स्थिति में सुविधाओं का लाभ मिल जाता। गत वर्ष देश को अचानक कोरोना ने संक्रमण की चपेट में ले लिया और सबसे ज्यादा लोग स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर परेशान दिखे। ऐसे में बरवेट पंचायत के ग्रामीणों स्वास्थ्य भवन नही बनने से सुविधाओं से वंचित होना पड़ा। ठेकेदार के कई प्रयास के बाद भी स्वास्थ्य विभाग उक्त निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नही करवा सका। कार्य के ठेकेदार गादीया ने बताया कि, मेरे द्वारा शासन के नियमानुसार कार्य के लिए जमा एफडीआर वापस करने और टेंडर निरस्त करने की मांग की है, लेकिन विभाग की और से कोई जवाब नही मिलने के कारण मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की है। उक्त टेंडर को लगभग तीन साल का समय हो चुका है, कार्य नही होने और मंहगाई बढ़ने से उक्त भवन की लागत भी बढ़ चुकी हैं अभी टेंडर की राशि मे कार्य कर पाना संभव नही है।

## झाबुआ के लिए श्री डंग तो अलीराजपुर के लिए श्री दत्तीगांव को बनाया प्रभारी मंत्री

**माही की गूंज, झाबुआ**

बढ़ते कोरोना संक्रमण को लेकर जिले की व्यवस्था को संभालने के लिए शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना वायरस से ज्यादा संक्रमित प्रदेश के जिलों की जिम्मेदारी मंत्रियों को सौंपी है। जिलों में कोरोना नियत्रंण का प्रभार मंत्रियों को दिया गया। कोरोना नियंत्रण संबंधी व्यवस्था, संसाधन, समन्वय, बैठक आदि के साथ जिलों में कोविड केयर सेंटर बनाने की रूपरेखा, आक्सीजन, बेड बढ़ाने, दवा आपूर्ति इत्यादि की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी इन मंत्रीयों को दी गई है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को तत्काल काम में जुटने के लिए कहा है। झाबुआ के लिए मंत्री हरदीप सिह डंग को प्रभारी बनाया गया है। वही अलीराजपुर के लिए मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव को प्रभारी बनाया गया है।

## आखिर क्यों रिलीव नही हुआ अब तक सीईओ चौहान ?

**तबादला रूकवाने की जुगाड़ में तो नही चौहान, नए की आमद भी अब तक नही**

**माही की गूंज, पेटलावद**

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार के नए आयाम गढ़ने वाले जनपद सीईओ नानसिंह चौहान के तबादले के लगभग दस दिन करीब गुजर गए हैं, लेकिन अब तक चौहन अपने पद से रिलीव नही किए गए। वही खरगोन जिले से स्थान्तरित नए सीईओ राजेश बहेती भी अब तक रिलीव होकर यहां नही पहुँचे है जिसके बाद जनपद और राजनीति के गलियारों में चौहान के स्थान्तरण को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई है। जैसा कि अंदेश था प्रदेश की अंतिम सीमा और झारखंड से लगे जिले सीधी भेजे गए, सीईओ चौहान जेम-तेम जुगाड़ बिठाकर अपना स्थान्तरण सीधी जिले से अन्य जिले या झाबुआ जिले के आसपास करवाने की जुगाड़ में लगे हुए है। इस कार्य के लिए सत्ताधारी दल के कुछ नेता और दलाल, साहब की सेटिंग करवाने में लगे हैं, बताया जा रहा है इस कार्य के लिए अच्छी खासी रकम भी खर्च करने को साहब तैयार है, जिसकी चर्चाएं आम हो रही हैं। मामले में जिला सीइओ सिद्धार्थ जैन से चर्चा की तो उनका कहना है कि, फ्लिहाल ग्राम पंचायत स्तर पर कोरोना वेक्सिनेशन का कार्य चल रहा है जिसको देखते हुए रिलीव नही किया है जल्द ही सीईओ को रिलीव किया जाएगा।

### नए सीईओ ने कहा रिलीव होते ही लूंगा चार्ज

वही खरगोन जिले के कसरावद विकास खण्ड से पेटलावद स्थान्तरित किए गए राजेश बहेती का कहना है कि, उनके पास एक अतिरिक्त जनपद का चार्ज है और जिला कलेक्टर द्वारा जैसे ही यहां से रिलीव किया जाएगा में पेटलावद का चार्ज लूंगा, लगभग 6 से 8 दिन का समय और लग सकता है।

### कार्यकाल की जांच की मांग

सीईओ चौहान के कार्यकाल के दौरान विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में कई भ्रष्टाचार के मामले उजागर हुए जिनको जांच के नाम पर दबा दिया गया और इसके पीछे बड़ी लेन-देन होने की आशंका है। वही विकास खण्ड में चेक डेम और स्टॉप डेम निर्माण में भारी धांधली, घटिया निर्माण, फर्जी भुगतान के बड़े मामले उजागर हो सकते हैं, जिसको लेकर गूंज द्वारा सीईओ चौहान की उच्च अधिकारियों और मंत्री तक मय पेपर कटिंग के शिकायत कर उच्चस्तरीय जांच की मांग की जाएगी।

## कोरोना संक्रमण के चलते शादी समारोह होने लगे निरस्त, गार्डनों को बुकिंग निरस्त होना शुरु

### गत वर्ष में भारी नुकसान उठा चुके है शादियों से जुड़े व्यवसाय करने वाले

**माही की गूंज, पेटलावद**

अभी कुछ दिनों पूर्व ही लोगो को लगने लगा था कि, कोरोना संकट से निजात मिल गई है। गत वर्ष इन दिनों में ही कोरोना अपने पूरे चरम पर था जिस कारण तय शादियां बड़ी संख्या में टल गई थी। शादी समारोह से जुड़े व्यवसाय मैरिज गार्डन, टेंट, बेंड, डीजे, कपड़े, केटरिंग, लाइट डेकोरेशन, फोटोग्राफर सहित कई व्यवसाय को भारी नुकसानी उठानी पड़ी थी। लेकिन इस वर्ष सीजन में अधिक शादियों के होने की उम्मीद थी और उसी के मुताबिक बड़ी संख्या में मई जून तक कि तारीखों में मैरिज गार्डन सहित बाकी चीजों की एडवांस बुकिंग हो चुकी थी। गत एक माह में अचानक कोरोना की दूसरी लहर ने गति पकड़ ली और लगातार बढ़ते मामलो के बीच शासन ने नई गाईडलाइन में फ्लिहाल अधिकतम 100 लोगों की संख्या होना तय किया है वही सार्वजिनक भोजन के साथ डीजे पर भी रोक लगा दी। शुक्रवार शाम 6 से सोमवार सुबह 6 बजे तक 60 घंटे के लॉकडाउन होने के कारण शादी समारोह में विघ्न हो सकता है, जिसके चलते शादियों की एडवांस बुकिंग निरस्त होने का कार्य शुरू हो गया है। लोगो ने या तो शादी फ्लिहाल निरस्त कर दी है या शासन की गाईडलाइन के अनुसार मन्दिर या किसी होल में निश्चित लोगो के साथ करना तय कर लिया है।

नगर में सर्व सुविधा युक्त मैरिज गार्डन की भरमार, जिले सहित आस-पास के जिलों से यहां आकर करते हैं आयोजन

बात करे व्यवस्थाओं की तो जिले में सबसे ज्यादा और सर्व सुविधा युक्त मैरिज गार्डन पेटलावद में खास कर पार्किंग की व्यवस्था होने के कारण यातायात बाधित नही होता है। लगभग 6 मैरिज गार्डन के अलावा भी नगर में कई ऐसे स्थान है जहां शादी समारोह आयोजित किए जा सकते हैं। बड़े शहरो के मुकाबले यहां लोगों कम खर्च में काम हो जाता है इसलिए बड़ी संख्या में लोग शादी समारोह के लिए पेटलावद को चुनते हैं। सुविधाओं के चलते न केवल नगर व आस-पास के क्षेत्रों से लोग यहां आते है, बल्कि रतलाम जिले सहित गुजरात और राजस्थान के सीमावर्ती जिलों से लोग यहां से शादी जैसे आयोजन करते हैं। फ्लिहाल जितनी भी तारीख शादी के लिए इस सीजन की बताई जा रही है उन तारीखों में लगभग सभी गार्डन बुक है लेकिन कोरोना के बढ़ते मामलो के बीच फ्लिहाल अप्रैल ओर मई की बुकिंग बुरी तरह प्रभावित हो रही है। मैरिज गार्डन मालिको का कहना है कि, पिछले साल तो कोरोना के कारण बुकिंग नही हुई थी लेकिन इस वर्ष पंडितो के अनुसार बताई जा रही कोई भी तारीख खाली नही है सभी तारीखों में एडवांस बुकिंग थी, लेकिन कोरोना संक्रमण और शासन की जारी गाईडलाइन को देखते हुए अब लोग बुकिंग को केन्सल कर रहे है या आगे बढ़ा रहे हैं जिससे न केवल हमारा बल्कि शादियों से जुड़े सभी लोगो का भारी नुकसान हो रहा है।

## दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई लोग घायल

### मामूली विवाद ने पकड़ा तूल, भीड़ ने लोगों पर किया हमला, बीच-बचाव में आए लोग भी घायल

**माही की गूंज, रतलाम/पेटलावद**

रविवार रात जिले के रानीसिंग के एक फलिये में दो पक्षो के बीच खूनी संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। अचानक हुए हमले के बाद लोगो को पहले लुट को आशंका हुई, लेकिन बाद में मामला दो-तीन दिन पुराने विवाद को लेकर एक नाराज़ पक्ष ने योजनाबद्ध तरीके से हमला कर कई लोगो को गंभीर चोट पहुंचा। बीच-बचाव में आए पड़ोसियों के साथ भी भीड़ के रूप में आए हमलावरों ने मारपीट की। देर रात बड़ी संख्या में पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुचाया, थाना रावटी में पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

हरिराम पिता रणछोड़ गामड रिपोर्टकर्ता ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि, ग्राम लाम्बीसादड़ रानीसिंह में रहता हूं तथा मैं ग्राम रानीसिंह में लुणा गरवाल की किराए से दुकान लेकर एमपी ऑनलाइन की दुकान चलाता हूं। मेरी दुकान के पास हीरालाल पिता रणछोड़ गामड निवासी सेतुतपाड़ा का मकान निर्माण का काम चल रहा था। 11 अप्रेल को मैं अपनी दुकान में था तभी रात में हीरालाल गामड़ के मकान तरफजोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आई तो मैं दौड़कर हीरालाल गामड़ के मकान के पास गया तो, देखा कि, वहां पर ग्राम उण्डवा थाना बिलपांक के दीपक पिता मागीलाल गुर्जर, संजय पिता मांगीलाल गुर्जर एवं रोशन पिता देवीलाल गुर्जर और अन्य उनके साथी करीबन 10 से 15 लोग एकमत होकर हीरालाल गामड़ व उसके लडके गौरव गामड़ के साथ माँ-बहन की नंगी-नंगी गालियां दे रहे थे और भीलडो को आज तो जान से ही खत्म कर दो कहकर इन लोगो ने हीरालाल व गौरव के साथ जान से मारने की नियत से लट्ठ, लोहे की राड़ एवं तलवार से मारपीट कर प्राणघातक हमला कर दिया। जिससे हीरालाल गामड़ को बांए पैर में, सिर में, उल्टे हाथ में व शरीर में चोटे लगी तथा गौरव गामड़ को सिर में, मुँह में, सीधे हाथ में व शरीर में चोटे लगी। हीरालाल मोके पर ही बेहोश हो गया था। कृष्णपालसिंह सोनगरा ने इन लोगो को मारपीट करने से मना किया तो इन लोगों ने कृष्णपालसिंह सोनगरा के मकान के सामने खिड़की का काँच तोड़ कर दिया। मौके पर मैंने, मानसिह गरवाल, हवजी गरवाल, तेजपाल मुनिया, सुन्दर लोहार ने आकर बीच-बचाव किया और 100 नम्बर पर फोन कर पुलिस को बुलाया तो ये सभी भागने लगे और भागते हुए बोले कि, आज तो तुम बच गए आईंदा किसी रोज मिले तो तुम लोगों को जान से खत्म कर देंगे। कहकर जान से मारने की धमकी देकर उनकी मोटर साइकिल व पीकअप में बैठकर भाग गए। जिसके बाद हीरालाल व गौरव को 108 एम्बुलेंस से रतलाम अस्पताल ले गए।

पुलिस ने हरिराम की रिपोर्ट पर आरोपियों पर आईपीसी की धारा 294, 323, 324, 307, 506, 427, 34 और अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 की धारा 3 (1) (द), 3 (1) (छ) और 3 (2) (वीए) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। घटना के बाद ग्राम रानीसिंग के ग्रामीणों में जबरदस्त रोष व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार, उक्त घटना को लेकर प्रर्दशन की तैयारी थी लेकिन पुलिस की सक्रियता से किसी प्रकार प्रर्दशन नही हुआ। ग्रामीणों ने जान लेवा हमलावरों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। घटना के बाद केवल आदिवासी समाज ही नही बल्कि रानीसिंग के सभी वर्गों में भारी रोष व्याप्त है।

## मास्क नहीं पहनने पर बनाए चालान

**माही की गूंज, मेघनगर**

नगर परिषद सीएमओ विकास डावर एवं नगर परिषद कर्मचारी ने झाबुआ चौराहा रेल्वे फाटक व बाजार में जगह-जगह पर बिना मास्क पहने घुम रहे व्यक्तियों पर चालानी कार्रवाई कर उन्हें मास्क पहनने, हाथ धोते रहें, 2 गज की दूरी बनाए रखें, भीड़ वाले इलाके में न जाएं एवं अपनी सुरक्षा के साथ परिवार की सुरक्षा भी रखे की समझाइश भी दी। नगर में लगभग 200 बिना मास्क पहने व्यक्तियों को पर चालानी कार्रवाई की गई।

## कोविड-19 में झोलाछाप डॉक्टरों की बल्ले-बल्ले

**माही की गूंज, थादंला**

देश में कोरोना महामारी की दुसरी लहर दिन-ब-दिन तेज होती जा रही है, आए दिन कोरोना से संक्रमित मरीजो का आंकडा तेजी से बडता ही जा रहा है। वही प्रदेश में भी कोरोना महामारी ने अपने पेर पसार चुकी है। आदिवासी अंचल के झाबुआ जिले में कोरोना महामारी चलते झोलाछाप डॉक्टर लोगो का इलाज कर मोटी कमाई कर रहे है। यही हाल थांदला जनपद का भी है, यहां भी झोलाछाप डॉक्टरो की भरमार है। ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण मजबूरन् ग्रामीण, अघोषित डॉक्टरों से अपना इलाज करावा रहे है। अन्दरुनी क्षेत्र में जहां पर शासन की स्वास्थ्य सुविधाएं नही पहुच पाती है, वहां पर झोलाछाप फर्जी डॉक्टर के यहां मरीजों की भीड़ दिखी जा सकती है, झोलाछाप फर्जी डॉक्टर के यहां बिना टेस्ट के इलाज किया जा रहा है। प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। वही मास्क, सोशल डिस्टेंसिग की शासन की गाईडलाइन की खुल्लेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा मंडरा रहा। थांदला सिविल हॉस्पिटल के बीएमओ डॉ. अनिल राठौर से संवादाता ने इस विषय पर चर्चा करी तो उन्होंने बताया कि, इसके लिए जिले में एक टीम गठित कर रखी हैं। डॉ. राठौर ने नगर व ग्रामीणवासियों से अपील करते हुए कहा कि, अगर बुखार, सर्दी-जुकाम व अन्य कोई भी तकलीफहोती है या कुछ भी सिम्टम्स लगते हैं तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर दिखाएं और कोरोना की जांच अवश्य कराए व कोरोन वैक्सीन टीके भी जरूर लगवाए।

**झोलाछाप डॉक्टर के यहां नहीं होता कोविड-19 की गाईडलाइन का पालन**

संपादकीय

# अंत में सख्ती

आखिरकार निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को फटकार लगाई है कि, अगर उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया तो वह रैलियों पर रोक लगाने को बाध्य होगा। पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। उनमें से चार राज्यों के मतदान खत्म हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल में भी चार चरण के मतदान हो चुके हैं। आखिरी चार चरण के मतदान बचे हैं। हैरानी की बात है कि, अब निर्वाचन आयोग को कोरोना नियमों की सुध आई है। जब पांचों राज्यों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई थी तभी कोरोना के मामले बढ़ने शुरू हो गए थे और कई राज्यों में यह चिंतजनक स्तर पर पहुंच चुका था। मगर राजनीतिक दल बढ़-चढ़ कर रैलियों में अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहे थे। लाखों की भीड़ जुटाने में जुटे थे। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता सड़कों पर जुलूस निकालने से लेकर मुहल्लों में घर-घर जाकर संपर्क बना रहे थे। टीवी कैमरों में साफदेखा जा रहा था कि, उनमें से ज्यादातर न तो ठीक से नाक-मुंह ढंक रहे थे और न ही उचित दूरी का पालन कर रहे थे। रैलियों में धक्का-मुक्की ऐसे हो रही थी, जैसे कोरोना का कोई भय ही न हो। ऐसा नहीं माना जा सकता कि, उस वक्त निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रचार में बरती जा रही मनमानी नजर नहीं आ रही थी। सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया के कुछ मंचों पर भी कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर चुनाव प्रचार में कोरोना नियमों का पालन न किए जाने को लेकर काफी चिंता जाहिर की जा रही थी। कई लोग बार-बार निर्वाचन आयोग की चुप्पी पर अंगुलियां उठा रहे थे। अब जाकर इन नियमों की तरफउसका ध्यान गया है तो स्वाभाविक ही उस पर फिर से अंगुलियां और बहुत सारे सवाल उठने शुरू हो गए हैं। इस बार पांच राज्यों, खासकर असम और बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों की मनमानियां को लेकर खूब आपत्तियां दर्ज कराई गईं और सबमें निर्वाचन आयोग की भूमिका लगभग निष्क्रिय बनी रही उससे उसकी मंशा पर जितने सवाल उठे, शायद पहले कभी नहीं उठे। कोरोना नियमों को लेकर उसकी चुप्पी सचमुच हैरान करने वाली थी। इस दौरान जब कई राज्यों में रात का कर्फ्यू और सप्ताहांत की बंदी लागू की गई, अनेक जगहों पर कोरोना नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफपुलिस की सख्ती के कई उदाहरण सामने आए, जिसमें ठीक से मास्क न पहनने पर कुछ लोगों को बेरहमी से पीटने तक की तस्वीरें खूब प्रसारित हुईं। पर निर्वाचन आयोग चुनाव प्रचार में कोरोना नियमों के उल्लंघन को लेकर चुप्पी साधे रहा। अब उसके रैलियों पर रोक लगाने संबंधी धमकी को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि, इससे कितनी राहत मिल सकती है। अब तक तो काफी लोगों में संक्रमण फैल चुका होगा। अब कुछ ही जगहों पर मतदान होने बाकी हैं, उनमें कितने लोगों को संक्रमण से रोका जा सकेगा। यों भी चुनाव वाले राज्यों में कोरोना संक्रमण के सही-सही आंकड़े नहीं आ पा रहे हैं, इसलिए किसी ने कहा भी था कि, वहां महामारी विस्फोटक रूप ले सकती है। निर्वाचन आयोग ने चुप्पी साध कर एक तरह से राजनीतिक दलों को मनमानी करने की छूट दी। अब भी वह इस मामले को लेकर बहुत गंभीर हो, ऐसा नहीं लगता। अगर सचमुच गंभीर है, तो उसे मनमानी करने वाले नेताओं और दलों के खिलाफसख्ती से पेश आने का उदाहरण पेश करना चाहिए।

# टीकाकरण में तेजी मॉनव जाति के लिए जरूरी

साल 2020 की शुरुवात में अपने ही ख्वाबों में खोई दुनिया वर्ष 2021 में जाने के सुनहरे सपनों को बुन रही थी। सपनो की इस उधेड़बुन में खोई दुनिया ओर इसमें निवासरत इंसानो के जहन में उस वक्त कोरोना नामक विश्व विनाशक वायरस के बारे में इतनी कल्पना चिंता या ख्याल नहीं थै। अब जबकि 2020 गुजर गया है, 2021 का अप्रैल माह प्रगति पर है। शायद मॉनव जाति के इतिहास का यह पहला समय होगा जब विश्व के नक्शे पर नजर आने वाले सारे मुल्कों, इन तमाम मुल्कों के बाशिंदे ओर इन बाशिंदों की आस्थाओं के केंद्र, उनका मजहब इन मजहबों के प्रार्थना स्थलों पर यदि कोई प्रार्थना एक साथ गूंजी है तो वह दुनिया को कोरोना की महामारी से निजात दिलाने की प्रार्थनाएं ही है, जो एकसाथ मंदिरों, मस्जिदों, चर्चो ओर गुरुद्वारों में एक स्वर में सुनाई दी है। प्रार्थना के शब्द और भाषा अलग-अलग होने के बावजूद भावना सिर्फकोरोना से मुक्ति की ही रही है। इन प्रार्थनाओं में घातक वायरस से पीड़ित मानवता के कल्याण की भावनाएं समाहित है। दुनियाँ को कोरोनाजनित पीड़ाओं से मुक्ति की प्रार्थनाएं।

यह अभी खोज का विषय है कि, दुनिया को अंदर तक हिला देने वाला कोरोना नामक वायरस इंसानो की विनाशक सोच का परिणाम है? क्या यह वायरस दुनिया पर आर्थिक साम्राज्य स्थापित करने के लिए घातक हथियारों की दिशाहीन दौड़ में शामिल वर्तमान दुनिया के शासकों द्वारा निर्मित जैविक हथियार है? समय के साथ इन प्रश्नों के हल भी निकलेंगे की यह वायरस साम्राज्यवादी सोच का परिणाम है या महज दुर्घटना? फ्लिवक्त दुनिया के सारे मुल्क कोरोना वायरस के प्रभाव से मुक्ति का मार्ग तलाश करते हुए नजर आ रहे है। इन मुल्कों के वैज्ञानिकों ने कोरोना के कहर को कम करने के लिए वैक्सीन का निर्माण भी किया है। वैज्ञानिको का दांवा है कि, यह वैक्सीन कोरोना के प्रभाव को कम करतें हुए वायरस से लड़ने के लिए मानव शरीर मे रोगप्रतिरोधक क्षमता पैदा करेगी जिससे इंसानो के जीवन को बचाया जा सकता है। कोरोना प्रभाव को निष्प्रभावी किया जा सकता है। दुनिया के वैज्ञानिकों ने इस वायरस से मानवजाति को बचाने के लिए वैक्सीन का ईजाद भी बहुत तेजी से किया है। जब-जब दुनिया पर संकट मंडराया विज्ञान ने इसके बचाव के उपायों का भी तेजी से ईजाद किया है। दुनिया के अन्य मुल्कों की तरह ही भारत ने भी बेहद तीव्रगति से वैक्सीन का निर्माण किया है। जिसका टीकाकरण अभियान देश मे तेजी से जारी है। इस समय दुनिया के सारे देशों के साथ-साथ भारत मे भी कोरोना का कहर जारी है। इसकी रफ्तार तेजी से बढ़ रही है दूसरे दौर का वायरस अधिक घातक ओर जानलेवा प्रतीत हो रहा है। चिकित्सको की राय के अनुसार सोशल डिस्टेंस रखकर मास्क पहनकर ओर हाथों को बार-बार साफकरते हुए इससे बचा जा सकता है। इससे बचने के सबसे बड़े उपाय के रूप में भारत ने कोवैक्सिन ओर कोविशिल्ड के टीके तमाम सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों में लगाए जा रहे है। देश मे जारी टीकाकरण का यह अभियान ही कोरोना के कहर से पीड़ित मानवता को मुक्ति प्रदान करेगा ।भारत सहित दुनियाँ के तमाम देशों में टीकाकरण का यह अभियान जारी है। टीकाकरण का सफ्ल अभियान ही फ्लिवक्त मॉनव को कोरोना से लड़ने की ऊर्जा दे सकता है। दुनिया के सारे मुल्कों को अभी टीकाकरण के उचित प्रबन्धन पर अधिक ध्यान देना होगा। भारत मे यह अभियान तेजी से जारी है। जनवरी की 16 तारीख से शुरु हुए कोरोना वैक्सीन के टीकाकरण अभियान में अब तक 10 करोड़ से ज्यादा डोज दिए जा चुके है। टीकाकरण को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा भारत ने 85 दिनों में 10 करोड़ डोज दिए है, ओर इसी के साथ भारत दुनियाँ का सबसे तेज टीकाकरण अभियान चलाने वाला देश बन गया है। मंत्रालय के अनुसार अमेरिका को अपने देश मे वैक्सीन के 10 करोड़ डोज देने में 89 दिन लगे,चीन को इस काम में 102 दिन लग गए। भारत सहित दुनिया के सभी देशों में टीकाकरण अभियान की गति को ओर तेज करना चाहिए। टीकाकरण में व्याप्त तेजी ही कोरोना के कुप्रभाव से दुनिया को बचा सकती है।

अतएव कोरोना के टीकाकरण अभियान का उचित प्रबन्धन करने की समूची दुनिया को महती आवश्यकता है। कोरोना के कहर से जूझती दुनिया को बचाने का एकमात्र विकल्प उचित टीकाकरण अभियान ही है। दुनिया के देशों को टीकाकरण अभियान में एक दूसरे का सहयोग भी करना चाहिए। कोरोना ने बहुत सी बातें इंसानों को सिखाई है। उनमें यह भी एक सीखने योग्य बात है कि, पड़ोसी के स्वस्थ्य रहे बगैर आपका स्वस्थ्य रहना सम्भव नहीं है। मॉनवजाति ने फ्लैग, हैजा, चेचक ओर पोलियो को मात दी है मानव जाति कोरोना को भी निश्चित परास्त करेंगीं। इस हेतु निकटवर्ती सरकारी अस्पताल में जाएं और लगाएं 'जिंदगी के दो डोज'।

# महिलाओं के सच्चे हिमायती थे डा. अम्बेडकर

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाएगी। मगर देश में कोरोना महामारी की चल रही दूसरी लहर के कारण देश वासियों को सावधानी पूर्वक अपने-अपने घरों में रह कर ही बाबा साहेब की जयन्ती मनानी चाहिए। सार्वजनिक आयोजनो में भी मास्क पहनकर ही शामिल हों तथा दो गज की दूरी रखें। बाबा साहेब की जयन्ती पर इस बार लोगों को अपने घरों में राष्ट्र की एकता के नाम एक दीपक जला कर संकल्प लेना चाहिए कि, हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें, उनके बनाए संविधान का पालन करेगें, ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबा साहेब हमेशा जातिप्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिए उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाए।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमा बाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था। भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के कई सपने थे। भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग अम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिकदृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाए दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा. अम्बेडकर का एक और सपना भी था कि, दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें।

डा. भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि, भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि, यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। अम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरुआत ही 'शिक्षित करो' से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है। बाबा साहब का मानना था कि, वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जातिविहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव अम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. अम्बेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। अम्बेडकर यह बात समझते थे कि, स्त्रियों की स्थिति सिर्फऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आए थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफ्सोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ. भीमराव अम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा. अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि, लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि, भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि, देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि, अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

बाबा साहेब अम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50,000 से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था। डा. अम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चैपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया।

अम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है । आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। हर वर्ष 14 अप्रैल व 6 दिसम्बर को मुम्बई स्थित उनके स्मारक पर हर साल काफी लोग उन्हे अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं। 1990 में बाबा साहेब डा. अम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

# बाजार में गिरावट

कोरोना का घातक होता संक्रमण और लॉकडाउन के चलते शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली। शुरुआती दौर में ही सेंसेक्स 1700 पॉइंट गिरकर 48 हजार के नीचे आ गया, इससे निवेशकों के नौ लाख करोड़ रुपए डूब गए। इससे पहले 1 फरवरी को इंडेक्स 48 हजार के नीचे आया था। शेयर बाजार में गिरावट की तीन वजह सामने आ रही हैं। पहली-देश में लगातार कोरोना के नए केस बढ़ रहे हैं। दूसरी-एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट है, इनमें चीन का शंघाई कंपोजिट, हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग शामिल हैं। इसी तरह जापान का निक्केई इंडेक्स भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। तीसरी-चौथी तिमाही के नतीजों से पहले निवेशक नर्वस हैं। लगातार दो तिमाहियों में अच्छे रिजल्ट के बाद चौथी तिमाही के दौरान कोरोना संक्रमण का असर देखने को मिल सकता है इसीलिए निवेशक निवेश से पहले सतर्क हैं। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कई राज्यों में जगह-जगह लॉकडाउन लगाया जा रहा है, इससे इकोनॉमिकल एक्टिविटीज पर बुरा असर पड़ रहा है। नतीया यह है कि, बाजार में चौतरफा गिरावट है, जैसे-तैसे बाजार वापस आने की स्थिति में आ रहा था, तभी संक्रमण ने तेज रफ्तार पकड़ी और लगभग पूरा देश पाबंदियों और लॉकडाउन की जद में आ गया। उद्योग-धंधों की गति मंद पड़ गई एवं कारोबार फिर से बेपटरी हो गया। पिछले साल 40 दिनों के लॉकडाउन की वजह से लोग पहले से ही टूट गए हैं, अब संक्रमण की नई रफ्तार ने बची उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। मगर यह हाल सिर्फभारत का नहीं है, नए साल की शुरुआत से ही विश्व भर के बाजारों में गिरावट का रुख है। कारण है चीन से लगते झटके, चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, वहां जो होता है, उससे सारी दुनिया का कारोबार प्रभावित होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि, बाजार में जब तक कोरोना को लेकर स्पष्टता नहीं आती, उतार-चढ़ाव बना रहेगा। देश के अंदर मांग कमजोर है, जिससे कारखाना उत्पादन रफ्तार नहीं पकड़ रहा, इन कारणों से कारोबारी आशंकित हैं। निवेशक शेयर बाजारों से अपना पैसा निकाल रहे हैं। खासकर विदेशी निवेशक ऐसा कर रहे हैं। यह क्रम जारी रहा, तो घरेलू निवेशकों के लिए इसकी भरपाई करना मुश्किल हो जाएगा। शेयर बाजार काफी दिनों से गिरावट का संकेत दे रहा था। सोमवार को पहले दिन गोता लगा भी गया। पिछले एक माह में जिस तेजी से कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं, उससे हर कोई आशंकित है। भविष्य को लेकर हर किसी के मन में आशंकाएं हैं। एक भी निवेशक आने वाले दिनों की स्थिति को भांपकर आगे बढ़ रहा है और अभी की स्थिति पैसा लगाने के लिए कतई अनुकूल नहीं है।

# वर्ष प्रतिपदा ही भारत का नव वर्ष

वर्तमान भारत में जिस प्रकार से सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण हुआ है, उसके चलते हमारी परंपराओं पर भी गहरा आघात हुआ है। यह सब भारतीय संस्कृति के प्रति कुटिल मानसिकता के चलते ही किया गया। आज भारत के कई लोग इस तथ्य से अवगत नहीं हैं कि भारतीय संस्कृति क्या है, हमारे संस्कार क्या है? लेकिन अच्छी बात यह है कि, कोई भी शुभ कार्य करने के लिए आज भी समाज का हर वर्ग भारतीय कालगणना का ही सहारा लेता है। चाहे वह गृह प्रवेश का कार्यक्रम हो या फिर वैवाहिक कार्यक्रम हम भारतीय पंचांग का सहयोग ही लेते हैं। इसी प्रकार हमारे त्यौहार भी प्राकृतिक और गृह नक्षत्रों पर ही आधारित होते हैं। इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्ष प्रतिपदा पूर्णतः वैज्ञानिक और प्राकृतिक नव वर्ष है। कहा जाता है कि, जो देश प्रकृति के अनुसार चलता है, प्रकृति उसकी रक्षा करती है। वर्तमान में जिस प्रकार से विश्व के अनेक हिस्सों प्रकृति का कुपित रूप दिखाई देता है, उससे मानव जीवन के समक्ष अनेक प्रकार की विसंगतियां प्रादुर्भित हुई हैं। यह सब पश्चिम विचार की अवधारणा के चलते ही हो रहा है। भारत की संस्कृति मानव जीवन को सुंदर और सुखमय बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि, भारत में जितने भी त्यौहार उवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि, भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भलीभांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है। वर्तमान में हम भले ही स्वतंत्र हो गए हों, लेकिन पराधीनता की काला साया एक आवरण की तरह हमारे सिर पर विद्यमान है। जिसमें चलते हम उस राह का अनुसरण करने की ओर प्रवृत्त हुए हैं, जो हमारे संस्कारों के साथ समरस नहीं है। अब नव वर्ष को ही ले लीजिए। अंग्रेजी पद्धति से एक जनवरी को मनाया जाने वाला वर्ष नया कहीं से भी नहीं लगता। इसके नाम पर किया जाने वाला मनोरंजन फूहड़ता के अलावा कुछ भी नहीं है। आधुनिकता के नाम पर समाज का अभिजात्य वर्ग वह सब कुछ कर रहा है, जो सभ्य और भारतीय समाज के लिए स्वीकार करने योग्य नहीं है। विसंगति तो यह है कि, हमारे समाज के यही लोग संस्कृति बचाने के नाम पर लम्बे चौड़े व्याख्यान दे देते हैं। भारतीय काल गणना के अनुसार मनाए जाने वाले त्यौहारों के पीछे कोई न कोई प्रेरणा विद्यमान है। हम जानते हैं कि हिन्दी के अंतिम मास फाल्गुन में वातावरण भी वर्ष समाप्ति का संकेत देता है, साथ ही नव वर्ष के प्रथम दिन से ही वातावरण सुखद हो जाता है। हमारे ऋषि मुनि कितने श्रेष्ठ होंगे, जिन्होंने ऐसी काल गणना विकसित की, जिसमें कब क्या होना है, इस बात की पूरी जानकारी समाहित है। पिछले दो हजार वर्षों में अनेक देशी और विदेशी राजाओं ने अपनी साम्राज्यवादी आकांक्षाओं की तुष्टि करने तथा इस देश को राजनीतिक दृष्टि से पराधीन बनाने के प्रयोजन से अनेक संवतों को चलाया, किंतु भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान केवल विक्रमी संवत के साथ ही जुड़ी रही। अंग्रेजी शिक्षा-दीक्षा और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के कारण आज भले ही सर्वत्र ईसवी संवत का बोलबाला हो और भारतीय तिथि-मासों की काल गणना से लोग अनभिज्ञ होते जा रहे हों। परंतु वास्तविकता यह भी है कि, देश के सांस्कृतिक पर्व-उत्सव तथा राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक आदि महापुरुषों की जयंतियाँ आज भी भारतीय काल गणना के हिसाब से ही मनाई जाती हैं, ईसवी संवत के अनुसार नहीं। विवाह-मुण्डन का शुभ मुहूर्त हो या श्राद्ध-तर्पण आदि सामाजिक कार्यों का अनुष्ठान, ये सब भारतीय पंचांग पद्धति के अनुसार ही किया जाता है, ईसवी सन की तिथियों के अनुसार नहीं। इसके बाद भी हमारा समाज का एक वर्ग इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। इसके कारण हम सामाजिक मान मर्यादाओं का स्वयं ही मर्दन करते जा रहे हैं। जिसके चलते इसका दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहा है और समाज में अनेक प्रकार की विसंगतियां भी जन्म ले रही हैं, जो भारतीय जीवन दर्शन के हिसाब से स्वीकार योग्य नहीं हैं।

भारतीय नव वर्ष का अध्ययन किया जाए तो चारों तरफ नई उमंग की धारा प्रवाहित होती हुई दिखाई देती है। जहां प्रकृति अपने पुराने आवरण को उतारकर नए परिवेश में आने को आतुर दिखाई देती है, वहीं भारत माता अपने पुत्रों को धन धान्य से परिपूर्ण करती हुई दिखाई देती है। भारतीय नव वर्ष के प्रथम दिवस पूजा पाठ करने से असीमित फल की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि, शुभ कार्य के लिए शुभ समय की आवश्यकता होती है और यह शुभ समय निकालने की सही विधा केवल भारतीय काल गणना में ही समाहित है। भारतीय नववर्ष का पहला दिन यानी सृष्टि का आरम्भ दिवस, युगाब्द और विक्रम संवत जैसे विश्व के प्राचीन संवत का प्रथम दिन, श्रीराम एवं युधिष्ठिर का राज्याभिषेक दिवस, मां दुर्गा की साधना चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक, प्रखर देशभक्त डॉ. केशवराव हेडगेवार जी का जन्मदिवस, आर्य समाज का स्थापना दिवस, संत झूलेलाल जयंती। इतनी विशेषताओं को समेटे हुए हमारा नव वर्ष वास्तव में हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देता है। वास्तव में ये वर्ष का सबसे श्रेष्ठ दिवस है। भारतीय नववर्ष का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है। ब्रह्मपुराण के अनुसार पितामह ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि निर्माण प्रारम्भ किया था, इसलिए यह सृष्टि का प्रथम दिन है। इसकी काल गणना बड़ी प्रचीन है। सृष्टि के प्रारम्भ से अब तक 1 अरब, 95 करोड़, 58 लाख, 85 हजार, 115 वर्ष बीत चुके हैं। यह गणना ज्योतिष विज्ञान के द्वारा निर्मित है। आधुनिक वैज्ञानिक भी सृष्टि की उत्पत्ति का समय एक अरब वर्ष से अधिक बता रहे हैं। जो भारतीय काल गणना की शाश्वत उपयोगिता का प्रमाण देता है। हिन्दु शास्त्रानुसार इसी दिन से ग्रहों, वारों, मासों और संवत्सरों का प्रारम्भ गणितीय और खगोलशास्त्रीय संगणना के अनुसार माना जाता है। भारतवर्ष में वसंत ऋतु के अवसर पर नूतन वर्ष का आरम्भ मानना इसलिए भी हर्षोल्लासपूर्ण है, क्योंकि इस ऋतु में चारों ओर हरियाली रहती है तथा नवीन पत्र-पुष्पों द्वारा प्रकृति का नव शृंगार किया जाता है। भारतीय कालगणना के अनुसार वसंत ऋतु और चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की तिथि अति प्राचीन काल से सृष्टि प्रक्रिया की भी पुण्य तिथि रही है। वसंत ऋतु में आने वाले वासंतिक नवरात्र का प्रारम्भ भी सदा इसी पुण्य तिथि से होता है। विक्रमादित्य ने भारत की इन तमाम कालगणनापरक सांस्कृतिक परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए ही चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की तिथि से ही अपने नवसंवत्सर संवत को चलाने की परम्परा शुरू की थी और तभी से समूचा भारत इस तिथि का प्रतिवर्ष अभिवंदन करता है। ऐसे में विचारणीय तथ्य यह है कि, हम जड़ों से जुड़े रहना चाहते हैं या फिर जड़ बनकर पश्चिम के पीछे भागना चाहते हैं। ध्यान रहे नकल हमेशा नकल ही रहती है, वास्तविकता नहीं हो सकती। आज चमक दमक के प्रति बढ़ता आकर्षण हमें भारतीयता से दूर कर रहा है, लेकिन यह भी एक बड़ा सच है कि दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों को भारतीयता रास आने लगी है। वृंदावन की कुंज गलियों में, गंगा के घाटों पर कई विदेशी भारतीय संस्कृति में गोता लगाते हुए मिल जाएंगे। जब यह ऐसा कर सकते हैं तो भारतीय समाज के लिए यह बहुत ही सीधा मार्ग है।

### जिला अस्पताल में बेड कम, आक्सीजन का स्टाक एक दिन का

# लॉकडाउन खुलते ही बाजार में उमड़ी भीड़

**माही की गूंज, मंदसौर**

**शहर सहित जिलेभर में कोरोना की खतरनाक लहर जारी है, तेजी से मरीज बढ़ते जा रहे हैं। जिले में संक्रमण की दर 22 प्रतिशत से भी ज्यादा पहुंच गई है। सोमवार रात में 116 मरीज मिले हैं, जो जिले में अब तक एक दिन में सबसे ज्यादा है। लोगों की लापरवाही का ही आलम है कि, अप्रैल के 12 दिन में ही संक्रमितों का आकड़ा 523 तक पहुंच गया है। इधर जिला अस्पताल में बेड भी कम पड़ने लगे हैं और आक्सीजन का एक दिन का ही स्टाक बचा है। अब अगर इंदौर से आपूर्ति में थोड़ी भी गड़बड़ हुई तो हाहाकार मचना तय है। जिले में एक्टिव मरीज 386 तक पहुंच गए हैं। अभी तक 3 हजार 429 ठीक होकर घर चले गए हैं वहीं कुल संक्रमित 3 हजार 853 हो गए हैं।**

जिला चिकित्सालय में बनाए गए कोविड वार्ड के लिए बेड लगातार बढ़ाना पड़ रहे हैं। जिला अस्पताल में मेल-फीमेल मेडिकल वार्ड के बाद अब हड्डी वार्ड व एक अन्य वार्ड के सारे पलंग भी कोविड के लिए आरक्षित कर दिए है। अस्पताल में अब लगभग 250 से अधिक बेड हो गए हैं। अभी जिले में आक्सीजन की सप्लाय कम आ रही है। जिला अस्पताल में 100 बेड सेंट्रल आक्सीजन लाइन से जुड़े हैं। आक्सीजन प्लांट नहीं होने से इस लाइन में बड़े सिलिंडर जोड़े जा रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने से प्रतिदिन 50 बड़े सिलिंडर की खपत हो रही है। वहीं अन्य मरीजों को छोटे सिलिंडर से आक्सीजन दी जा रही है। मंगलवार को जिला अस्पताल के स्टाक में केवल 46 सिलिंडर ही बचे थे। सीएमएचओ ने बताया कि, 80 सिलिंडर का आर्डर दिया है जो इंदौर से रात तक आ जाएंगे। अगर इंदौर से सप्लाय में एक दिन की भी देरी होगी तो यहां भी मरीजों की जान सांसत में आ जाएगी। जिले में सोमवार रात तक एक्टिव मरीज 386 थे। इनमें से लगभग 100 को होम आइसोलेट किया गया है। 30 मरीज जिले से बाहर उपचार करा रहे हैं।

**लॉकडाउन खुलते ही बाजार में उमडी भीड़**

लॉकडाउन के बाद सोमवार सुबह छह बजे से बाजार खुला। इसके साथ ही बाजार में बिना मास्क के लोग आने लगे और दो गज की दूरी का भी पालन नहीं किया। कई लोगों का मानना है कि, दीपावली के बाद पहली बार इस तरह की भारी भीड़ बाजार में दिखी है।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए लॉकडाउन किया पर बाजार खुलते ही पूरे किए कराए पर पानी फिर गया। बिना मास्क लगाए और दो गज की दूरी का पालन किए ही लोगों ने बाजार में भीड़ लगाई। शासन-प्रशासन पुलिस सब मूकदर्शक रहे। लोगों के मन में शंका है कि, एक बार फिर लॉकडाउन लगेगा इस कारण लोग शादियों की खरीदारी भी कर रहे हैं। इतनी लापरवाही से तो कोरोना विस्फोट हो सकता है। आमजन तो ठीक हे दुकानदार भी मास्क नहीं लगा रहे हैं। दुकानों पर दो गज की दूरी का भी पालन नहीं हो रहा है। दुकानदार और ग्राहक दोनों यह समझ रहे हैं कि, कभी भी लंबा बंद होगा ऐसे में ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं।

## प्रभारी मंत्री ने दो दिन में जिन्न का चिराग निकालने जैसे मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था सुधारने का किया दावा

**माही की गूंज, रतलाम**

रतलाम मेडिकल कॉलेज से लगातार भयावह तस्वीरे और वीडियो सामने आने के बाद सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सवालिया निशान खडे हो रहे हैं। प्रदेश भर में लगातार बढ़ते कोरोना के मामले और लगातार बढ़ती मौते के सिलसिले के बाद मुख्यमंत्री ने आनन-फानन में प्रभारी मंत्रियों की घोषणा की है। मंगलवार को कोविड व्यवस्थाओं का जायजा लेने आए प्रभारी मंत्री जगदीश देवडा ने दावा किया कि, मेडीकल कॉलेज की व्यवस्था को दो दिन के भीतर सुधार दिया जाएगा। उन्होने कहा कि, कोविड से निपटने के प्रयासों में किसी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मंत्री देवडा मेंडीकल कॉलेज का निरीक्षण करने और जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कोविड प्रबन्धन की समीक्षा करने के बाद कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मीडीयाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होने स्वीकार किया कि, मेडीकल कॉलेज की व्यवस्थाओं में कुछ कमी है। देवडा ने कहा कि, मेडीकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान यह बात उनके ध्यान में आई है। उन्होने कहा कि, मेडीकल कॉलेज में पैरामेडीकल स्टाफ की काफी कमी है। इस कमी को दो दिन में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होने कहा कि, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोविड ने निपटने के लिए पर्याप्त बजट की व्यवस्था की है। न तो दवाईयों की कमी आने दी जाएगी और न ही किसी अन्य व्यवस्था में कमी आने दी जाएगी। उन्होने कहा कि, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी सामान्य जनता को आ रही परेशानियों पर पूरी नजर रखेंगे और तत्काल हल करने का प्रयास करेंगे। देवडा ने कहा कि, रतलाम के मेडीकल कॉलेज पर पांच जिलों का दबाव है, इस वजह से समस्याएं आ रही है, लेकिन इनका हल किया जाएगा।

**चिराग से जिन्न निकालने वाली बात**

मेडिकल कॉलेज से कोरोना संकृमितो के परिजनों के द्वारा समय पर इलाज नही करने और मरीजों पर ध्यान नही देने के साथ जरुरी दवाइयों की किल्लत को लेकर गंभीर आरोपो के वीडियो सामने आए हैं। ऐसे में प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा का दो दिन में व्यवस्था सुधारने का दावा किसी चिराग में से जिन्न निकालने जैसा है। मंत्री जी के दावे के बाद लोगो को व्यवस्था सुधरने की उम्मीद तो जगी है लेकिन मंत्री जी का दावा कितना मजबूत है ये आने वाले दो-चार दिन में ही पता चल सकेगा।

## खाद्यान्न की कालाबाजारी करते धराए भ्रष्ट

**माही की गूंज, मंदसौर**

**राशन की दुकानों से गरीबों की थाली तक पहुचंने वाला चावल थाली की बजाए निजी गोदामों में पहुंच रहा है। कोरोनाकाल में करीब आधा दर्जन से अधिक मामले सामने आने के बाद भी चावल की हेरा-फेरी करने वाले लोगों में कार्रवाई का तनिक भी डर नहीं है। यह एक बार फिर उजागर हो गया है। आपूर्ति विभाग की टीम ने नाहरगढ़ में एक निजी गोदाम से 72 क्विटंल चावल जब्त किया। दिनभर चावल का तौल चलता रहा, बाद में अधिकारी नाहरगढ़ थाना पहुंचे।**

सोमवार को सुबह जिला आपूर्ति अधिकारी राजीव वर्मा टीम के साथ कार्रवाई के लिए पहुंचे। आपूर्ति अधिकारी श्री वर्मा ने बताया कि, नाहरगढ़-बिल्लौद रोड नाहरगढ़ में स्थित फर्म जगदीश पिता बद्रीलाल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान यहां गोदाम में बड़ी मात्रा में चावल भरा हुआ मिला। श्री वर्मा ने बताया कि, यह चावल राशन दुकानों से उपभोक्ताओं को वितरित होता है, यहां कैसे पहुंचा इस संबंध में जांच की जा रही है। सुबह से शाम तक तौल कार्य चलता है। गोदाम से कुल 72 क्विंटल चावल जब्त किया गया। इस कार्रवाई में विभाग के नारायण चन्द्रावत, रविन्द्र राठौर, अनमोल जैन आदि कर्मचारी भी शामिल थे।

**चावल जब्त कर पंचनामा बनाया**

मामले में जिला आपूर्ति अधिकारी राजीव वर्मा ने बताया कि, नाहरगढ़ में फर्म जगदीश पिता बद्रीलाल के गोदाम से 72 क्विंटल चावल जब्त किया गया है। यह चावल राशन दुकानो से उपभोक्ताओं को मिलता है, यहां कैसे पहुंचा जांच की जा रही है। चावल जब्त कर मामले में पंचनामा बनाया है बाद में नाहरगढ थाने भी कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। गोदाम में करीब चार माह पहले यह चावल भरा गया था।

## ओवरब्रिज के शुभारंभ के 10 दिन बाद हुआ हाइसा, बेरिकेड लगाने की मांग

**माही की गूंज, मंदसौर**

सीतामऊ फाटक पर बने टी-आकार के नए ओवरब्रिज का शुभारंभ सात अप्रैल को हुआ था। इसके पांच दिन बाद ही ब्रिज पर हादसा हो गया। इसमें एक युवक की जान चली गई व एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले में अज्ञात वाहन चालक पर प्रकरण दर्ज किया है।

ओवरब्रिज पर हादसा सोमवार की शाम करीब चार बजे हुआ। नई आबादी पुलिस ने बताया कि, अनिल पिता अशोक पाटीदार (35) निवासी खरगोन हालकुमार महावीर नगर मंदसौर एवं अर्जुनसिंह पिता देवीसिंह राजपूत (45) निवासी बोहराखेड़ी बाइक एमपी-44 एमसी-6755 से मंदसौर से रतलाम की दिशा में जा रहे थे। ओवरब्रिज पर चढ़ने के दौरान तिराहे के समीप अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में अनिल पाटीदार की मौके पर ही मौत हो गई, घायल अर्जुनसिंह को अस्पताल लाया गया, शहर के निजी अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि, मृतक अनिल व घायल अर्जुनसिंह मिस्त्री का कार्य करते हैं। सोमवार को अमावस्या की छुट्टी थी। इसी दौरान दोनों कहीं जा रहे थे तभी हादसा हो गया।

**ओवरब्रिज के तिराहे पर बेरिकेड लगाने की मांग**

प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस महामंत्री महेंद्रसिंह गुर्जर ने बयान जारी करते हुए कहा कि, मंदसौर में नए ओवरब्रिज पर सीतामऊ रतलाम एवं मंदसौर शहर की ओन आने-जाने वाले तिराहे पर बेरिकेड नहीं लगाए गए हैं। इसके कारण हर समय दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। इस तिराहे पर बेरिकेड लगाए जाएं ताकि दुर्घटना से बचा जा सके।

## आए दिन चर्चा का विषय बना सिविल अस्पताल, प्रसुता ने दिया अस्पताल के बाहर ही बच्चे को जन्म

**माही की गूंज, सारंगपुर (राजगढ़ ब्यावरा)**

सिविल अस्पताल आए दिन चर्चा का विषय बन रहा है, मानवता को शर्मसार करने वाला एक और मामला सामने आया है। शाजापुर जिले के ग्राम उकावता बड़ली की रहने वाली महिला को प्रसव के लिए एंबुलेंस द्वारा सारंगपुर सिविल अस्पताल में लाया गया। एंबुलेंस चालक द्वारा महिला को अंदर ले जाने के लिए अस्पताल स्टाफको बुलाया गया लेकिन अस्पताल का स्टाफनहीं आया। 15 मिनट तक तड़प रही प्रसुता ने अस्पताल के बाहर रोड़ किनारे ही बच्चे को जन्म दे दिया, जिसकी बाहर घूम रही महिलाओं ने मानवता के नाते प्रसुता महिला की देखभाल की। इसी दौरान कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने अस्पताल के लिए जांच के निर्देश दिए, लेकिन जांच की कार्रवाई भी ढाक के तिन पात के तरह ही सामने आएगी यह माना जा रहा है।

## कंटेनर ट्रक में डोडाचुरा का अवैध रूप से परिवहन करते दो आरोपी गिरफ्तार

**माही की गूंज, मंदसौर**

जिले के थाना पिपलियामण्डी पर अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी की सूचना मुखबीर द्वारा मिली। जिस पर चैपाटी फंटा आम रोड़ पर मंदसौर तरफसे आ रहे एक कंटेनर ट्रक क्रमांक केए 25 एए 0255 को नाकाबंदी कर रोका गया। ट्रक में आगे के कैबिन में रखे कुल 6 सफेद रंग के प्लास्टिक के कट्टो में भरे अवैध मादक डोडाचूरा, बारीक दरदरा पाऊडर के रूप मे कुल वजन 2 क्विंटल 25 किलोग्राम एवं अवैध परिवहन में प्रयुक्त कंटेनर ट्रक को जप्त किया। मौके पर 2 आरोपी भगवान सिहं पिता देवीसिहं मालवीय (39) निवासी खेडला थाना महिदपुर जिला उज्जैन हा.मु. तिलकेश्वर कॉलोनी उज्जैन, दुसरा रुपसिहं पिता बद्री अवासे (33) जाति भिलाला निवासी खारीपुरा सांगवी पोस्ट बकवाडी थाना ठीकरी जिला बडवानी के कब्जे से जप्त की जाकर आरोपीगणो को एनडीपीएस एक्ट के गिरफ्तार किया। दोनों आरोपीगणों के विरुद्ध थाना पिपलियामण्डी पर अपराध क्रमांक 136/2021, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

## कोविड-19 गाईडलाइन के विपरीत जिम खोलने पर संचालक के विरुद्ध हुई कार्रवाई

**माही की गूंज, मंदसौर**

गोल चौराहा स्थित स्पार्टन एक्सट्रीम जिम के संचालक शराफत हुसैन के विरुद्ध धारा 188 भारतीय दंड विधान के आदेश के उल्लंघन की कार्रवाई की गई। टीआई अमित सोनी ने बताया कि, जिम संचालक ने कोविड-19 के लिए जारी निर्देश का उल्लंघन किया है। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए कलेक्टर ने 8 अप्रेल को जिम, सिनेमाघर एवं स्वीमिंग पुल को पूरी तरह से बंद रखे जाने हेतु आदेश प्रसारित किए थे। इसके बाद भी उक्त जिम संचालक द्वारा शासन निर्देशों को ताक पर रखकर बेखौफहोकर जिम को संचालित किया जा रहा था। इस पर उक्त प्रकरण पंजीबद्ध की जाकर अनुसंधान में लिया है। शहर में अन्य जिम, सिनेमाघर एवं स्वीमिंग पूल आदि पर सतत निगाह रखी जा रही है।

## रात में अरावली पर्वत से नीचे उतर आते हैं तेंदुए...

**माही की गूंज, भानपुरा (मदसौर)**

तहसील भानपुरा क्षेत्र के अरावली पर्वतों पर विगत पांच-छह माह से तेंदुओं का प्रकोप जारी है। वन विभाग द्वारा भानपुरा के वनों में तेंदुए छोड़े जाने के समाचार पहले भी प्राप्त हुए हैं। तेंदुओं को अरावली पर्वत श्रृंखला के लगभग 25 किलोमीटर में घूमते हुए देखा गया है। सर्वप्रथम 31 दिसंबर 2020 को नगर भानपुरा के कुछ युवा मित्र छोटे महादेव मंदिर परिसर में पार्टी मना रहे थे, उस समय तेंदुए द्वारा हमले का प्रयास किया गया। तब सभी ने सुरक्षित स्थानों पर दौड़ कर अपनी जान बचाई। वंही विगत दिनों नीमथूर आमझरी गांव, इंदरगढ़ मारुति आश्रम, इंदरगढ़ बांध आदि पर भी एक बड़ा एवं दो छोटे तेंदुए देखे जाने की पुख्ता जानकारी मिली है।

इंदरगढ़ मारुति आश्रम के प्रमुख स्वामी प्रकाशनाथ महाराज ने बताया कि, उन्होंने 8 अप्रैल शाम को आश्रम की कुइयां के पास हलचल होने के बाद तेंदुए को देखा है। इसी रात इंदरगढ़ बांध के पास भुवानजी धोबी के कुए पर गाय के बछड़े का तेंदुए ने शिकार किया। किसान एवं समाजसेवी रतनलाल पाटीदार आमझरी एवं वहां स्कूल में कार्यरत एक शिक्षक ने बताया कि, आमझरी के पास तेंदुए द्वारा कुछ पशुओं पर हमला कर शिकार किया जा रहा है। श्री पाटीदार ने बताया कि, उनके खेत पर भी तेंदुआ कई बार आ चुका है। नीमथूर सरपंच प्रतिनिधि व पूर्व सरपंच दुलीचंद अहीर ने बताया कि, गौशाला के पास जब जेसीबी रात को चल रही थी तब रात के अंधेरे में जेसीबी की लाइट में तेंदुए को स्पष्ट रूप से देखा गया है। उपरोक्त मामले में वन अधिकारी शंकरलाल भूरिया ने बताया कि, क्षेत्र में तेंदुए होने की पूरी संभावना है यदि वह पशुओं पर हमला करते हैं तो शासन के नियमानुसार वन विभाग की ओर से भैंस का शिकार किए जाने पर अधिकतम 30 हजार रूपए, गाय आदि का शिकार करता हैं तो अधिकतम 10 हजार रूपए वन विभाग द्वारा मामले की तहकीकात कर संहयोग राशि प्रदान की जाती है। श्री भूरिया ने बताया कि, तेंदुआ अत्यंत ही आलसी किस्म के प्राणियों में शामिल है वह सामूहिक रूप से एकत्रित जानवरों पर हमला नहीं करता है मौका देखकर सुस्ताए या बंधे हुए जानवरों पर अचानक हमला कर उसे शिकार बनाता है।

## प्रतीकात्मक रूप से मनाई महर्षि गौतम जयंती

**माही की गूंज, शुजालपुर**

सप्त ऋषियों में से एक न्याय शास्त्र के प्रणेता अक्षयपाद महर्षि गौतम जयंती एवं हिन्दू नव वर्ष आराधना मांगलिक भवन जगन्नाथ पुरी में प्रतीकात्मक रूप से मनाकर पूर्वजो द्वारा प्रचलित परम्परा का निर्वहन महर्षि गौतम ऋषि के वंशजो द्वारा किया गया। साथ ही गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज शुजालपुर अध्यक्ष डॉ. आशीष दुबे, राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश जोशी, अखिल भारतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा प्रांतीय अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी, शाजापुर जिलाध्यक्ष ललित तिवारी द्वारा किए गए आव्हान पर अधिकतर विप्रजनों ने घर पर रहकर ही परिवारजनों के साथ महर्षि गौतम की पूजा अर्चना कर ब्राह्मणों की आराध्य देवी माता गायत्री के जप किए तथा सुंदरकांड पाठ कर ईश्वर से कोरोना महामारी से नगर शुजालपुर सहित देश प्रदेश की जनता को मुक्त करने की प्रार्थना की। गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज शुजालपुर अध्यक्ष डॉ. आशीष दुबे, कोषाध्यक्ष प्रकाश जोशी, प्रांतीय सहसचिव प्रदीप व्यास, जिला संरक्षक एनपी दुबे ने दीप प्रज्वलन कर महर्षि गौतम की फोटो पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष श्याम उपाध्याय, अखिल भारतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा जिला प्रवक्ता ओम पंचोली, कैलास जोशी, राजेश दुबे उपस्थित थे। उपस्थित सभी समाजजनों ने पूर्ण कार्यक्रम में मास्क लगाकर रखा, कार्यक्रम के पहले एवं उपरांत सभी को सेनिटाइज किया गया, साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा गया। कोविड संक्रमण को देखते हुए इस वर्ष भोजन प्रसादी का आयोजन नही किया गया।

## ऑपरेशन मुस्कान के तहत खोज निकाले 51 गुम हुए मोबाईल

**माही की गूंज, मंदसौर**

वर्तमान में आम जनता द्वारा अति व्यस्तता, हडबडाहट, आंशिक लापरवाही या अन्य किसी कारणों से कीमती मोबाईल गुम हो जाते है। मोबाईल गुम होने के अप्रत्याशित मामलों में हुई वृद्धि पुलिस अधीक्षक मंदसौर सिद्धार्थ चौधरी के प्रकाश में आने पर गुम हुए मोबाईल को प्राप्त करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मंदसौर द्वारा ''ऑपरेशन मुस्कान'' के नाम से विशेष अभियान चलाया गया। उक्त अभियान पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं डॉ. अमित वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर के मार्गदर्शन में चलाया गया था। वर्तमान के आधुनिक परिवेश मे अधिकांश व्यक्ति स्मार्टफोन/एंड्रॉईड फोन का उपयोग करते है। स्वयं की लापरवाही, अतिव्यस्तता तथा जल्दबाजी या अन्य किसी भी कारण के परिणामस्वरूप मोबाईल कही गिर जाने या भूलवश गुम हो जाने की घटनाओं में गुम मोबाईल की पतारसी हेतु आवेदन प्राप्त हुए। चूंकि मोबाईल गुम हो जाने पर व्यक्ति को आर्थिक व मानसिक क्षति तो पहुंचती ही है। इसके अलावा अति महत्वपूर्ण गोपनीय, व्यक्तिगत डाटा, अन्य



महत्वपूर्ण आधिकारिक एवं कार्यालयीन दस्तावेज के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी का भंडारण रहता है, जिसके गलत इस्तेमाल एवं दुरूपयोग की प्रबल संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है एवं व्यक्ति के साथ सायबर अपराध भी घटित होने की संभावना रहती है। उक्त अभियान के तहत सायबर सेल की तकनीकी टीम द्वारा अपने तकनीकी कौशल से आवेदको के गुम मोबाईलों की पतारसी कर दस्तयाब किए गए तथा उनके वास्तविक स्वामित्व को हस्तांतरित कर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक लाभ के साथ-साथ उनको सायबर अपराध घटित होने की से भी बचाया गया। लगभग 3 महीने (1 जनवरी से 31 मार्च तक) के इस ''ऑपरेशन मुस्कान'' अभियान के तहत कुल 51 नग मोबाईल फोन कीमती 7 लाख 50 हजार रूपए के बरामद कर उनके वास्तविक स्वामित्व को हस्तांतरित किए गए, जिसके परिणामस्वरूप उनके चेहरे पर रौनकरूपी सुनहरी मुस्कान लौट आई जो कि, ''ऑपरेशन मुस्कान'' का वास्तविक उद्देश्य था।

# उप स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं मिल रही ऑक्सीजन और न ही अन्य सुविधाएं

**माही की गूंज काकनवानी, नरेश पंचाल**

जिले में सैकड़ों उप स्वास्थ्य केंद्र बने हैं, जहां पर सुविधा के नाम से कुछ भी नहीं है, उप स्वास्थ्य केंद्रों में न तो लेबोरेटरी है और न ही अन्य जांच करने के उपकरण है। जिस कारण पलवाड़ क्षेत्र के मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र थांदला या जिला स्वास्थ्य केंद्र पर जाना पड़ता है, जहां उन्हें पूर्ण रूप से सारी सुविधाएं मिल सके। अभी जिले में कोरोना महामारी से निजात पाने के लिए सरकार को सारी सुविधाएं उप स्वास्थ्य केंद्र तक उपलब्ध करवानी चाहिए, जो कि नहीं हो पा रही है। गांवखेड़ो के उप स्वास्थ्य केंद्र पर सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थांदला जाना पड़ता है, लेकिन वहां पर भी स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। ब्लड टेस्ट करवाना हो तो उसकी रिपोर्ट भी दूसरे दिन दी जाती है, वहीं रिपोर्ट आने तक डॉक्टर द्वारा दवाई भी नहीं दी जा रही है। अगर किसी को इमरजेंसी में ऑक्सीजन की जरूरत पड़े तो ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है, ऐसे में मरीज अपनी मौत से रूबरू होता है। ऑक्सीजन कम होने पर डॉक्टर सीधे दाहोद (गुज.) जाने के लिए कह देते हैं।

डॉक्टर का कहना है कि, न तो थांदला में ऑक्सीजन है और न ही झाबुआ में है, इसलिए आप सीधे दाहोद या कोई और बड़े हॉस्पिटल में चले जाओ की सलाह देकर रवाना कर देते है। भला ऐसे में मरीज या परिजन क्या करेंगे, ये उनके लिए बड़ी विकट स्थिति बन रही है। सोमवार को दोपहर करीब 3 बजे क्षेत्रीय विधायक वीरसिंह भूरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लेने पहुंचे, जहां ऑक्सीजन एवं कैपिटल की कमी पाई गई। जिस पर डॉक्टर ने बताया कि, ऑक्सीजन जिले से आ नहीं रहा है और न ही बाजार से खरीदने की परमिशन मिल रही है। इस बात पर विधायक वीरसिंह भूरिया ने झाबुआ जिला चिकित्सालय फोन करके कहा कि, आप तुरंत ही थांदला में ऑक्सीजन की कमी की पूर्ति करे, कोरोना महामारी से लड़ने के लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वास्थ्य विभाग में नहीं होनी चाहिए। आज पूरे जिले की स्थिति बहुत ही संकट में है इसलिए हमें लोगों को पूरा-पूरा इलाज मिले, यह कोशिश भरपूर करना चाहिए। इस बीच यह भी देखा गया कि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समय अनुसार डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते हैं और मरीज परेशान होते हैं। डॉ अपने घर पर ही इलाज किया करते हैं, कोई इमरजेंसी हो तो डॉक्टर को फोन करके हॉस्पिटल में बुलाना पड़ता है।

# ऑक्सीजन व इंजेक्शन पर्याप्त और लगातार होगी पर्याप्त व्यवस्था-मंत्री श्री डंग

## खरगोन में कोरोना की स्थिति का लिया जायजा, समूह से लिए व्यवस्थाओं के लिए सुझाव

**माही की गूंज, खरगोन**

प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा तथा पर्यावरण मंत्री और जिले के कोरोना प्रभारी मंत्री हरदीप सिंह डंग बुधवार दोपहर में जिले के भ्रमण पर पहुंचे। यहां मंत्री श्री डंग ने स्वामी विवेकानंद सभागृह में जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समुह की बैठक में कोरोना की समीक्षा की। बैठक के दौरान सीएमएचओ डॉ. एसके सरल ने पीपीटी के माध्यम से जिले सहित प्रदेश में कोरोना संक्रमण की दर और सक्रिय मरीजों की जानकारी दी। सीएमएचओ डॉ. सरल ने बताया कि मार्च व अप्रैल में जिस तरह कोरोना ने अपने पैर पसारे उसको लेकर पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई है। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने शासकीय व निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन और आईसीयू की उपलब्धता तथा वर्तमान में स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि जिला अस्पताल में 135 आईसोलेशन बेड की व्यवस्था है, जो अभी पूरे भरे हुए है। इसी तरह 170 ऑक्सीजन सपोर्ट बेड की व्यवस्था है, इसमें 135 भरे हुए है। इसी तरह 12 आईसीयू की कैपेसिटी है और अभी 11 भरे हुए है। जिला अस्पताल में 317 रिजर्व बेड की व्यवस्था है, जिसमें 281 भरे हुए है और 36 खाली है। जिले के निजी अस्पतालों में वर्तमान में 152 बेड खाली है। जबकि 36 आईसीयू विभिन्न अस्पतालों में है, जिनमें से 13 बेड भरे हुए है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने बताया कि, जिले में 380 बेड की व्यवस्था कोविड सेंटर में की जा रही है। ये कोविड सेंटर खरगोन के अलावा बड़वाह में 2, महेश्वर, कसरावद व भीकनगांव में 1-1 है तथा राधाकुंज मांगलिक परिसर खरगोन में निजी संस्था द्वारा 50 बेड की व्यवस्था की जा रही है।

**ऑक्सीजन सप्लाय में एक तहसीलदार व 4 वाहनों की अतिरिक्त व्यवस्था**-कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने वर्तमान समय में रेमडेसिविर इंजेक्शन, ऑक्सीजन की उपलब्धता और प्रतिदिन उपयोग की जाने वाली ऑक्सीजन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासन से 12 अप्रैल को 413 इंजेक्शन शासकीय अस्पताल के लिए और 250 इंजेक्शन निजी अस्पतालों के लिए प्राप्त हुए थे, जिसमें से 170 इंजेक्शन अभी शासकीय अस्पताल में उपलब्ध है। इसी तरह निजी अस्पतालों व मेडिकल को प्रदान किए गए इंजेक्शन की ऑडिट की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने जानकारी देते हुए बताया कि खरगोन को अब दो स्थानों से ऑक्सीजन मिलने लगी है। यहां से प्रतिदिन 4 गाड़ियां लाने व ले जाने के लिए लगाई गई है। ऑक्सीजन उपचार में बाध्यता न बने इसके लिए एक और तहसीलदार विवेक सोनकर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह निजी अस्पतालों में पर्याप्त ऑक्सीजनों की व्यवस्था नहीं होने से आईसीयू बेड खाली है। निजी अस्पतालों के बेड का उपयोग करने के लिए दो अलग वाहनों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे ऑक्सीजन उपलब्ध हो सके और निजी अस्पतालों के आईसीयू उपयोग में लाए जा सके। साथ ही जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी ऑक्सीजन उपलब्ध करा सकेंगे।

**समाज में वैक्सिन को लेकर जागरूकता की कमी**-प्रभारी मंत्री श्री डंग ने कहा कि अभी भी हमारे समाज में वैक्सिन को लेकर जागरूकता की कमी है। यह जागरूकता जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संस्थाएं बेहतर तरीके से कर सकते है। कोरोना से लड़ने के लिए हम सब पॉजिटिव विचारों के साथ काम करेंगे, तो परिणाम बेहतर हो सकते है। मंत्री श्री डंग ने बैठक में कहा कि यहां कोरोना के मद्देनजर ऑक्सीजन व इंजेक्शन है और लगातार मांग के बाद सप्लाय सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही मंत्री श्री डंग ने कहा कि संकट प्रबंधन समुह की बैठक में जो सुझाव आएं है, यह सुझाव मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे।



# भाईचारे और इंसानियत का संदेश देता हैं माह-ए-रमजान

**माही की गूंज मंदसौर, साहिल आगवान**

माह-ए-रमजान न सिर्फरहमतों और बरकतों की बारिश का महीना है, बल्कि समूची मानव जाति को प्रेम भाईचारे और इंसानियत का संदेश भी देता है। खुद को खुदा की राह में समर्पित कर देने का प्रतीक पाक महीना रमजान का चांद दिखते ही शुरू हो गया।

इस पाक महीने में अल्लाह अपने बंदों पर रहमतों का खजाना लुटाते हैं। ऐसा माना जाता है कि, माह-ए-रमजान नेकी कमाने का महीना है। रमजान में हर नेक कामों का पुण्यफल 70 गुना मिलता है, रोजों की पाबंदी करें, अपने गुनाहों की माफी मांगें, अल्लाह की दी हुई छूट का फायदा न उठाएं। यही इस पाक महीने की सीख है। सेहरी और रोजा अफ्तार के लिए बाजारों में कुछ अलग व्यंजन मौजूद रहते हैं। मौसमी फलों के साथ-साथ यह सामग्रियां अब बाजारों में दिखाई देने लगी हैं। जहां लोग दूध सिवए के साथ सेहरी कर रोजे की शुरुआत करते हैं, वहीं कई स्वादिष्ट चीजो को अपनी अफ्तार के व्यंजनों में शामिल रखते हैं। अफ्तार के लिए अफजल (पवित्र) मानी जाने वाली खजूर भी कई वैरायटियों में दिखाई देने लगी हैं। इस्लामी महीने का नौवां महीना है रमजान। इसका नाम भी इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने से बना है। यह महीना इस्लाम के सबसे पाक महीनों मैं शुमार किया जाता है। इस्लाम के सभी अनुयाइयों को इस महीने में रोजा, नमा, फित्तरा आदि करने की सलाह है। रमजान के महीने को और तीन हिस्सों में बांटा गया है, हर हिस्से में दस-दस दिन आते हैं। हर दस दिन के हिस्से को 'अशरा' कहते हैं जिसका मतलब अरबी मैं 10 है। इस तरह इसी महीने में पूरी कुरान नाजिल हुई जो इस्लाम की पाक किताब है। कुरान के दूसरे पारे के आयत नंबर 183 में रोजा रखना हर मुसलमान के लिए जरूरी बताया गया है। रोजा सिर्फभूखे, प्यासे रहने का नाम नहीं बल्कि अश्लील या गलत काम से बचना है। इसका मतलब हमें हमारे शारीरिक और मानसिक दोनों के कामों को नियंत्रण में रखना है। इस मुबारक महीने में किसी तरह के झगड़े या गुस्से से ना सिर्फमना फरमाया गया है बल्कि किसी से गिला शिकवा है तो उससे माफी मांग कर समाज में एकता कायम करने की सलाह दी गई है। इसके साथ एक तय रकम या सामान गरीबों में बांटने की हिदायत है जो समाज के गरीब लोगों के लिए बहुत ही मददगार है। चांद की तस्दीक के साथ ही रमजान का पवित्र माह शुरू हो गया। बरकतों के इस महीने के खत्म होने पर ईदुल फित्तर का त्योहार मनाया जाएगा। इस पूरे माह मुस्लिम धर्मावलंबी रोजा, नमाजों, तरावीह, कुरआन की तिलावत करते है।

## कसरावद व मंडलेश्वर अनुभाग में पुनः स्थापित किया कोविड केयर सेंटर

**माही की गूंज, खरगोन**

जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए मंडलेश्वर एवं कसरावद अनुभाग में पुनः कोविड केयर सेंटर स्थापित किया गया है। इन सेंटरों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्वास्थ्य, पुलिस, शिक्षा व नगर परिषद के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कसरावद एसडीएम संघप्रिय ने बताया कि कसरावद के कन्या छात्रावास में 35 बेड का कोविड केयर सेंटर बनाया जा रहा है। सेंटर में स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर व स्टॉफ नर्स, 3-3 पुलिस व शिक्षाकर्मी एवं नगर परिषद के कर्मचारी की समयवार ड्यूटी लगाई गई है। इसी तरह मंडलेश्वर एसडीएम मिलिंद ढ़ोके ने बताया कि अजजा कन्या परिसर महेश्वर में 100 बेड का कोविड केयर सेंटर बनाया गया है। यहां भी फार्मासिस्ट, नर्स, वार्डबाय, 3-3 पुलिस व शिक्षाकर्मी एवं नगर परिषद के कर्मचारी की समयवार ड्यूटी लगाई गई है।

## डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रमदान कर बोरी बंधान का किया निर्माण

**माही की गूंज, बड़वानी**

नेहरू युवा केंद्र बड़वानी के जिला अधिकारी नितेश कुमार व लेखाकार जितेन्द्र सैनी के निर्देशानुसार राजपुर ब्लॉक के ग्राम दानोद में संविधान के रचियता, संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, स्वतंत्रता आंदोलन के पुरोधा नायक, विख्यात विधि-विशेषज्ञ, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की 130 वीं जयंती के अवसर जल शक्ति मंत्रालय की ओर से संचालित कैच द रैन-2 परियोजना के अंतर्गत तहसील राजपुर ग्राम दानोद के मोरी फल्या में नाले का बहता हुआ पानी, घटते जल स्तर को बढ़ाने के लिए 20 युवाओं ने श्रमदान करके बोरी बंधान का निर्माण किया। इस प्रयास से इससे आस-पास के कई ग्रामों को जल स्तर का लाभ होगा। इस दौरान लोगों ने जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक दिनेश मोरे के नेतृत्व में बोरी बंधान का कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि, जल के बिना जीवन संभव नही है यदि हम पानी की बर्बादी नही रोक सके तो आने वाले वर्षों में पानी एक ज्वलन्त समस्या होगी।

## लॉकडाउन के बाद होगा शिक्षक पद हेतु चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन

**माही की गूंज, बड़वानी**

कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए जिले में 19 अप्रैल की प्रातः 6 बजे तक लॉकडाउन लगाया गया है। लॉकडाउन के मद्देनजर उच्चतर माध्यमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षक पद के चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन की कार्रवाई लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार लॉकडाउन समाप्त होने के उपरांत की जाएगी। दस्तावेजों के सत्यापन की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी।

## एक और बनेगा सीसी सेंटर, सीएमओ ने स्थलों का लिया जायजा

**माही की गूंज, खरगोन**

शहर में उमराली रोड़ पर एक और कोविड केयर सेंटर बनाया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने नपा सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल को स्थान चयन के लिए निर्देश दिए थे। प्राप्त निर्देशानुसार सीएमओ श्रीमती पटेल ने बुधवार को सीसी सेंटर के स्थलों का जायजा लिया। तत्पश्चात वे नगर पालिका द्वारा संचालित दीनदयाल रसोई का भी निरीक्षण किया है। ज्ञात हो कि नगर पालिका द्वारा भिक्षुक बेसहारा लोगों को भोजन बनाकर परोसने का काम भी कर रही है। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक लोगों को घर तक भोजन वितरण की व्यवस्था भी की गई है तथा बाहर से आए यात्रियों को भी भोजन का वितरण किया जा रहा है। बाहर से आए हुए मजदूरों को कंबल आदि का भी वितरण किया जा रहा है।

**कीटनाशक दवाई व सेनिटाईजर का किया जा रहा है छिड़काव**-नगर पालिका खरगोन द्वारा कोरोना संक्रमण काल में संक्रमण की रोकथाम के लिए पर्याप्त मात्रा में कीटनाशक दवाई फागिंग मशीन एवं सैनिटाइजेशन का कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। सीएमओ श्रीमती पटेल ने बताया कि जिन क्षेत्रों में व्यक्ति पॉजिटिव पाए जा रहे है, उन-उन क्षेत्रों में सेनिटाईज का छिड़काव एवं शहर में कीटनाशक दवाई फागिंग करवाई जा रही है।

## मानव समाज पर कहर बरपा

**लेखक प्रदीप मोदी देवास**

बाजार बन चुके समाज के सहृदय, संवेदनशील सामाजिक ताने-बाने को इस कोरोना ने तहस-नहस करके रख दिया है। एक-दूसरे के लिए मर-मिटने को हमेशा तत्पर रहने वाले सामाजिक लोग, अपने-अपने मुंह हो गए हैं, तू तेरी जान, मैं मेरी जानू वाली स्थिति, मानव समाज का गहना हो गई है, की मानसिकता बन गई है। अभी तो मैं मेरी जानने वाली स्थिति में, बीवी-बच्चे समाहित है, लेकिन जिस हिसाब से मौत का तांडव अपने उन्मान पर आता जा रहा है, मैं में से कब बीवी-बच्चे विलग हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। डरे-सहमें परिजनों ने दूर से रो कर, अलते-भलते लोगों को अपने आत्मीय का दाह संस्कार करते देखना प्रारंभ कर दिया है, तीसरे दिन होने वाले अस्थी संचय को प्रशासन ने सुबह-शाम में कराना प्रारंभ कर दिया है, प्रशासन भी क्या करें? मौत ने ऐसा तांडव मचाया कि, सब हतप्रभ हैं, सबके हाथ-पांव फूले हुए हैं, सम्पट भुल गए हैं, कुछ समझ नहीं आ रहा कि, आखिर मौत के तांडव से मानवता और मानव जाति को बचाए तो कैसे बचाएं? लाक डाउन, घर में रहो,को मानव समाज की प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने हथियार के रूप में अपनाया, लेकिन इसके साइड इफैक्ट्स पर ध्यान नहीं दे पाई, ये व्यवस्थाएं। मानव समाज को घर में रोक देने से कोरोना के साथ मानवता के दो दुश्मन और खड़े हो गए, भूख एवं भय। भारतीय संस्कृति में मौत को भी सालभर तक मनाया जाता है। होली का रंग डल जाने के बाद ही सच्चे अर्थों में मृत व्यक्ति पारिवारिक मोह-माया से मुक्त होता है, फिर श्राद्धपक्ष में मृतक को सःसम्मान आमंत्रित किया जाता है और यह सिलसिला सालों साल चलता है, तब तक कि परिजन, कौटुंबिक लोग मृतक का गयाजी में पिण्ड दान न कर आएं। लेकिन यहां तो मौत एक-दूसरे को रोने तक का मौका नहीं दे रही हैं। न जाने क्यों मौत मानव जाति पर कुपित है? पिछले साल मौत ने तांडव मचाया था और लॉकडाउन लगा था तो अनेकानेक दानवीर दानदाता सामने आ गए थे, लेकिन इस बार उनका सामने आना संभव नहीं है और सही भी है, ÷सवि सांझ का मरिया के कत तक रोय÷ अर्थात शाम से मरे व्यक्ति को कब तक रोएं? मौत ने तो कहर बरपा दिया है, ये दानवीर खुद की सोचें या दूसरों की। इन्हीं के बीच व्यापारी वर्ग मौत के इस तांडव को भी धन कमाने के अवसर के रूप में देख रहा है। वस्तुओं के भाव अनाप-शनाप बढ़ा दिए हैं, कालाबाजारी करके तिजोरी भरी जा रही है, बैंक बैलेंस बढ़ाए जा रहे हैं। ऐसे असंवेदनशील व्यापारियों पर कार्रवाई करना पुण्य का काम है। यदि जनप्रतिनिधि और अधिकारी कमाना चाहे तो ऐसे नालायक व्यापारियों के लिए एक शेर-

**हंसने वालों से ये कहता है जनाजा मुड़कर,**
**ठहर जा लौट कर आता हूं तू हंसता क्या है।**

# औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन एवं प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में क्राइसेंस मेनेजमेंट समूह की हुई बैठक

**माही की गूंज, अलीराजपुर**

जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की बैठक औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन एवं प्रभारी मंत्री (कोरोना अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण) राजवर्धन सिंह दत्तीगांव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता, पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, अपर कलेक्टर सुरेश चन्द्र वर्मा, समस्त एसडीएमगण, सांसद प्रतिनिधि नागरसिंह चौहान, नगर पालिका परिषद अलीराजपुर अध्यक्ष रितेश डावर, नगर पालिका उपाध्यक्ष मकू पोरवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला, किशोर शाह, विधायक प्रतिनिधि खुर्शीद अली दीवान, कांग्रेस कार्यवाह जिलाध्यक्ष ओम राठौर, रिकेंश तंवर, भदू पचाया, दीपक दीक्षित सहित अन्य समूह सदस्यगण, गणमान्यजन, अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में मंत्री श्री दंत्तीगांव ने जिला अस्पताल अलीराजपुर में सिटी स्केन, एमडी चिकित्सक एंव एम्बुलेन्सों की मांग संबंधित प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कोविड केयर सेन्टरों, अस्पताल में ऑक्सीजन स्टॉक की व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवशयक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री श्री दत्तीगांव ने जिले में टीकाकरण अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने हेतु जनप्रतिनिधिगण, गणमान्यजन से आह्वान किया कि, टीकाकरण अभियान को जन-जन का अभियान बनाते हुए सहयोग प्रदान करते हुए मैदानी अमले को लगातार प्रोत्साहित करें। टीका उत्सव की प्रगति की जानकारी लेते हुए उक्त अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्दे दिए। उन्होंने कोविड-19 के नियंत्रण होने तक जमीनी स्तर पर प्रभावी रणनीति के साथ मास्क लगाने, सेनेटाइजर अथवा साबुन से हाथो को साफकरने, सोल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए जन जागरण चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि, अलीराजपुर जिले में अन्य जिलों से आने वाले सब्जी, फ्रूल एवं अन्य व्यापार करने आने वाले व्यापारियों की थर्मल स्क्रीन अनिवार्य रूप से की जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि, जिले में सर्दी, खांसी एवं बुखार के मरीजों को मेडीकल स्टोर्स संचालक स्वतः से दवाई का विक्रय नहीं करेंगे। उक्त व्यवस्था को सुनिचित किया जाए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के कार्ड की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक पात्रताधारियों कार्ड बनाने के निर्देश दिए। बैठक में क्राइसेस मेनेजमेंट समूह के सदस्यों ने जिले में कोरोना संक्रमण की चैन को तोडने के प्रयासों संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने क्राइसेंस मैनेजमेंट समूह सदस्यों को जिले में कोरोना पाजिटिव केस की वर्तमान स्थिति, जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन ने जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल कंटेन्मेंट झोन एवं कोरोना पॉजीटिव केस की जानकारी देते हुए पावर पाइंट प्रेजेन्टेन के माध्यम से जानकारी साझा की।

# शहरी लॉकडाउन का असर, कस्बा क्षेत्र के बाजार में भी पसरा सन्नाटा

## विगत वर्ष लॉकडाउन में मार खाने वाले ग्रामीण नहीं आ रहे बाजार

**माही की गूंज, आम्बुआ**

कोरोना के बढ़ते ग्राफ के कारण आखिर शासन ने शहरी क्षेत्रों में 2 दिन का लॉकडाउन घोषित कर ही दिया। इसका असर शहरों के साथ-साथ कस्बा क्षेत्र में भी दिखाई दिया, जहां बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा दुकानदार, ग्राहकों का इंतजार करते रहे, कहीं-कहीं इक्का-दुक्का ग्राहक ही नजर आए।

विगत वर्ष लॉकडाउन में पुलिस प्रशासन की सख्ती को ग्रामीण अभी तक नहीं भूले हैं जिस कारण वे बाजार में नहीं आ रहे हैं।

दिन-प्रतिदिन कोरोना महामारी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। अस्पतालों में मरीजो की संख्या बढ़ती जा रही है, हल्का सर्दी-जुखाम तथा मौसम के कारण होने वाली मौसमी बिमारियां भी कोरोना नजर आ रही है, भयभीत लोग इलाज के लिए अस्पतालों की ओर जा रहे हैं। अधिकांशतः निजी चिकित्सकों से इलाज करा रहे हैं जब ठीक नहीं होते हैं तो शासकीय अस्पतालों की ओर जाते हैं, जहां पर प्रतिदिन कोरोना की जांच की जा रही है तथा इलाज भी किया जा रहा है। बीमारी की स्थिति को देखते हुए राज्य शासन ने शुक्रवार शाम से सोमवार की सुबह तक शहरी क्षेत्रों में लॉकडाउन लगाया था, अलीराजपुर जिले के जिला मुख्यालय, आजाद नगर तथा जोबट में लॉकडाउन लगाया गया था, जबकि अन्य कस्बा क्षेत्र खुले हुए हैं। कस्बा क्षेत्र के व्यापारियों को उम्मीद थी कि, 10 किलोमीटर क्षेत्र के ग्रामीण शहरों में न जा पाने के कारण कस्बा क्षेत्र में सामान खरीदने आएंगे, व्यापारियों ने दुकानें सजा कर ग्राहकों का इंतजार दो दिनों तक किया, लेकिन पिछले वर्ष लॉकडाउन में पुलिस की सख्ती देख तथा अनुभव कर चुके ग्रामीण घरों में रहने में ही भलाई समझकर बाजारों की ओर नहीं आए। कुछ इक्का-दुक्का वे ग्राहक (ग्रामीण) जिसके पास दो पहिया वाहन है और उन्हें जरूरी सामान लेना था, वे ही आए और सामान लेकर चले गए। बाजार में कहीं भी भीड़ नजर नहीं आने से सन्नाटा पसरा नजर आया। एक अनुमान के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में रोजमर्रा के सामानों की कई दुकानें ग्रामीण युवाओं ने रोजगार के उद्देश्य से खोली है, जिस कारण भी ग्रामीण बाजारों में कम ही नजर आते हैं। सप्ताह में एक दिन का लॉकडाउन कस्बा क्षेत्र में भी यदि किया जाए तो, कोरोना की चेन तोड़ने में मददगार साबित होगा ऐसा लोगों का मानना है।

# किल कोरोना अभियान द्वितीय के तहत घर-घर पहुंचकर दल पूछेगा स्वास्थ्य संबंधित जानकारी

**माही की गूंज, अलीराजपुर**

जिले में सोमवार से किल कोरोना अभियान के द्वितीय चरण प्रारंभ हो गया है। इसके तहत जिले में नगरीय सहित गांव-गांव क्षेत्रें में घर-घर पहुंचकर आशा, एएनएम, एएनएम सुपरवाइजर सहित अन्य मैदानी स्टॉफ स्वास्थ्य संबंधित जानकारी लेगें और कोरोना के संक्रमण संबंधित लक्षण वाले व्यक्तियों का चिन्हांकन करेगा। इस अभियान के तहत चिन्हांकित व्यक्तियो की कोरोना संबंधित जांच की जाएगी। उक्त संबंध में बैठक लेते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जनपद पंचातय सीईओ, तहसीलदार, एव बीएमओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने निर्देश दिए कि, उक्त सर्वे कार्य पहले ऐसे स्थानों अथवा फलियों में प्रमुखता के साथ हो जहां वर्तमान में कोरोना पॉजिटीव व्यक्ति चिन्हांकित हुए है। इसके साथ ही अन्य स्थानों पर भी घर-घर पहुंचकर मैदानी अमला कील कोरोना अभियान के तहत व्यक्तियों के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी एकत्र करेगा। साथ ही प्रतिदिन की सर्वे रिपोर्ट अनुसार जहां भी कोरोना संबंधित लक्षण वाले व्यक्ति चिन्हांकित हो ऐसे व्यक्तियों की तत्काल स्वास्थ्य विभाग का अमला पहुंचकर कोरोना जांच करेंगा। जिस भी व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजीटिव आती है उसे तत्काल कोविड केयर सेन्टर पर भर्ती कराए जाने की कार्रवाई सुनिचित की जाएगी। साथ ही जिन भी स्थानों पर कोरोना पॉजीटिव व्यक्ति चिन्हांकिन होते है वहां कंन्टेन्मेंट एरिया बनाने की कार्रवाई तत्काल की जाए। साथ ही संबंधित व्यक्ति की कांन्ट्रेक्ट ट्रेसिंग का कार्य भी त्वरित गति पर सुनिचित किया जाए। साथ ही ग्रामीण इलाकों में पॉजीटिव व्यक्ति आने की स्थिति में संबंधित फलिया के लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से सुनिचित किया जाए।

कलेक्टर श्रीमति गुन्ता ने किल कोरोना अभियान द्वितीय संबंधित दिशा निर्देश की जानकारी भी समस्त अधिकारीगण को दी। साथ ही कलेक्टर ने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि, किल कोरोना अभियान द्वितीय के तहत जो भी टीम आपसे स्वास्थ्य संबंधित जानकारी पूछने जैसे सर्दी, जुकाम, बुखार, गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ सहित अन्य किसी भी तरह की तकलीफ होने पर उक्त टीम को जानकारी अनिवार्य रूप से बताए। उन्होनें सभी का आह्वान किया कि, कील कोरोना अभियान द्वितीय के माध्यम से जिले में कोरोना संक्रमण को बढने से रोकने के प्रासन द्वारा किए जा रहे विष प्रयास में समस्त जिलेवासी सहयोग प्रदान करें।

# मौसम बिगड़ा तेज आंधी से विशाल आम पेड़ गिरा

**माही की गूंज, आम्बुआ**

आम्बुआ तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने बादल छाने तथा बादलों की गड़गड़ाहट के बीच तेज आंधी के कारण एक पुराना विशाल आम का पेड़ धराशाई हो गया, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार 13 अप्रैल की रात से अचानक क्षेत्र में मौसम खराब हो गया, आसमान पर काले घने बादलों ने डेरा डाला तो आसमान से बादलों की गड़गड़ाहट ने सबको सकते में डाल दिया। 14 अप्रैल की दोपहर चली तेज हवा ने घरों के ऊपर लगे टीन शेड हिला दिए, इसी आंधी में मुर्गी बाजार क्षेत्र में स्थित एक पुराना विशाल आम का पेड़ धराशाई हो गया गनीमत यह रही कि आम के नीचे कोई नहीं था तथा आम जिस दिशा में गिरा वह खाली जगह थी, यदि दाएं बाएं गिरता तो कुछ लोगों के मकान चपेट में आ सकते थे।

यह घटना यदि 13 अप्रैल के दिन होती तो न जाने कितनी बड़ी दुर्घटना हो जाती क्योंकि इस दिन मंगलवार का साप्ताहिक हाट बाजार लगता है तथा जहां आम का पेड़ गिरा उसके नीचे तथा आस-पास मवेशी तथा मुर्गी बाजार लगता है, जहां हजारों की संख्या में पशु, पक्षी क्रेता, विक्रेता का हुजूम मौजूद रहता है। पता चला है कि, यह आम अब्बास भाई बोहरा द्वारा अपने खेत में वर्षों पूर्व लगाया गया था, जहां पर अब आवासीय परिसर हो जाने से मकान बन रहे हैं, कई मकान बन चुके हैं। अब्बास भाई के वारिस मोहम्मद बोहरा ने शासन से हानि हेतु मुआवजे की मांग की है। मौसम के मिजाज को देखते हुए मावठे की संभावना व्यक्त की जा रही है।

# आम्बुआ पत्रकार संघ की बैठक हुई संपन्न

## कोरोना वैक्सीन, मास्क तथा सैनिटाइजर के उपयोग हेतु प्रेरित करने पर विचार

**माही की गूंज, आम्बुआ**

कोरोना के भयावह स्थिति को देखते हुए आम्बुआ पत्रकार संघ विगत एक वर्ष से समाचारों के माध्यम से जन जागरूकता फैलाता आ रहा है। वर्तमान समय में पत्रकार संघ प्रशासन को किस तरह सहयोग करें तथा वैक्सीन लगवाने आदि के लिए प्रेरित करने हेतु सतत अभियान चलाने पर विचार-विमर्श हेतु बैठक का आयोजन बाबा भीलवट क्षेत्र में संपन्न की गई। आम्बुआ पत्रकार संघ के अध्यक्ष गोविंदा माहेश्वरी ने बताया कि, आम्बुआ पत्रकार संघ से जुड़े समस्त पत्रकार साथी विगत वर्षों से लगातार कोरोना के कारण होने वाली समस्याओं आदि तथा बचाव टीकाकरण सावधानियों के विषय में समाचारों के माध्यम से लोगों को सचेत करता आ रहा है। लॉकडाउन के समय भी पत्रकार संघ आम्बुआ के समस्त पत्रकारों ने प्रशासन के साथ सहयोग कर जन जागरूकता का प्रचार-प्रसार किया था। वर्तमान समय में कोरोना महामारी विकराल रूप धारण कर चुकी है, इसकी रोकथाम हेतु वैक्सीनेशन का कार्य चल रहा है। इसके प्रचार-प्रसार हेतु शतत समाचार प्रकाशित कराने की सहमति तथा मास्क लगाने, सैनिटाइजर के उपयोग, सार्वजनिक दूरी बनाए रखते हुए हेतु लोगों को प्रेरित करने का निर्णय बैठक में लिया गया, ताकि लोगों में वैक्सीन के प्रति सजगता जागृत हो इसके साथ-साथ कुछ अन्य सामाजिक गतिविधियों का संचालन करने पर विचार किया गया जो कि, आगामी कुछ दिनों में मूर्त रूप लेगा। बैठक में पत्रकार संघ जिला अलीराजपुर एवं आम्बुआ के संरक्षक जगराम विश्वकर्मा, स्थानीय पत्रकार संघ अध्यक्ष गोविंदा माहेश्वरी, साजिद शेख, गजेंद्र सिंह रावत, असलम खान, मयंक विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

## जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ता कोरोना संक्रमण गंभीर चिंता का विषय- विधायक पटेल

**माही की गूंज, अलीराजपुर**

**जिले के विभिन्न शहर, गांव और कस्बो से पूर्व माह की तुलना में कोरोना के पॉजिटिव प्रकरण ज्यादा आ रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है। आमजन को इस संक्रमण से बचाने के लिए प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं सहित हर जिम्मेदार व्यक्ति और आम जनता भी अपना दायित्व निर्वहन कर रही है। आमजन भी अच्छी तरह सावधानियों का उपयोग करें। कोरोना से बचाव के लिए सभी उपायों जैसे मास्क पहनना, सामाजिक दूरी बनाएं रखना, समय समय पर हाथ धोना को अपनाएं।**

विधायक पटेल ने कहा कि, व्यक्तियों की बीच परस्पर दूरी रखने के लिए पहले भी उपाय किए गए थे। इसका आम जनता ने पालन भी किया था। मास्क के नियमित रूप से उपयोग के लिए हर किसी को जागरूक होना होगा। साथ ही आगामी त्यौहार और शादी ब्याह जैसे आयोजन पारिवारिक स्तर पर पूरी सावधानियों के साथ मनाए जाएं। संक्रमण को रोकना हम सभी के हाथ में हैं। कोरोना के वायरस से बचने के लिए मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और हाथ धोना अचूक उपाय है। विधायक पटेल ने जिले वासियों से अपील की है कि, इन सभी उपायों का अक्षरश पालन करे। जिससे कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। इसके लिए हर व्यक्ति को अहम योगदान देना होगा।

# राज्यमंत्री श्री परमार ने अपनों के लिए अपना कोविड केयर सेन्टर का किया शुभारंभ

**माही की गूंज शुजालपुर, अजय राज केवट**

शुजालपुर में कोविड केयर सेन्टर को जनसहयोग से संचालित करने की अभिनव पहल शुजालपुर क्षेत्र में भी कारोना संक्रमण के बढ़ते मरीजों को देखते हुए इनके उपचार के लिए शुजालपुर के नवनिर्मित महाविद्यालय भवन में 100 बिस्तर का कोविड केयर सेन्टर बनाया गया। जिसका शुभारंभ बुधवार को प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इन्दरसिंह परमार ने फित्ता काटकर किया। इस कोविड केयर सेन्टर का संचालन आमजन की सहभागिता के साथ करने का अभिनव पहल की गई है, जिसका अपनो के लिए अपना कोविड सेन्टर नाम दिया गया है। इस शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर दिनेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी प्रकाश कस्बे, सीएमएचओं डॉ. आर निदारिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व्हीएस द्विवेदी, सिविल हास्पिटल शुजालपुर प्रभारी डॉ. राजेश तिवारी, सीएमओं सुश्री निगहत सुल्ताना, विजय बैस सहित गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

राज्य मंत्री श्री परमार ने बताया कि, मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह कोविड केयर सेन्टर के संचालन में आम लोगों को भी भागीदार बना रहे है। इस कोविड केयर सेन्टर को अपनत्व का भाव देने के लिए अपनो के लिए अपना कोविड केयर सेन्टर नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि, यहां भर्ती होने वाले मरीज हमारे अपने ही होंगे और उनकी मदद करना हमारा अपना कर्त्तव्य है। इस केन्द्र के लिए आवश्यक संसाधन जैसे कि चिकित्सा सुविधा, दवाईया तथा आक्सीजन आदि की व्यवस्था राज्य शासन करेगी तथा अन्य आवश्यकताओं की व्यवस्था जन-सहभागिता से की जाएगी। इसके संचालन के लिए समाज से खुलकर सहयोग प्रदान करने की अपील करेंगे। वर्तमान में यहां 100 बिस्तर की व्यवस्था कर रहे है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर 500 बिस्तर तक किया जा सकता है।

# 14 अप्रैल शाम 6 बजे से 19 अप्रैल सुबह 6 बजे तक सम्पूर्ण जिले में कोरोना कर्फ्यू के आदेश जारी

**माही की गूंज, अलीराजपुर**

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कोरोना संक्रमण के मद्देनजर अलीराजपुर जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। उक्त आदेश के तहत 14 अप्रैल शाम 6 बजे से 19 अप्रैल को सुबह 6 बजे तक जिले में कोरोना कर्फ्यू लगाया गया है। उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत समस्त बाजार बंद रहेंगे एवं अति आवश्यक कार्यो को छोड़कर आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। सभी शासकीय एवं निजी कार्यालय, बैंक, क्योस्क इत्यादि बंद रहेंगे। जिले की सीमाओं से प्रवेश निषेध रहेगा। उक्त आदेश के तहत निम्नानुसार छूट का प्रावधान किया गया है, जिसमें शासकीय अथवा निजी चिकित्सीय एवं संस्था एवं कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों, अन्य अमला, पुलिस बल, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, विद्युत मण्डल, इंटरनेट, टेलीकॉम सर्विस प्रोवायडर, किसी भी तरह की एम्बुलैंस एंव फायर ब्रिगेड सेवाएं, लोक शांति अथवा शासकीय कार्य सम्पादित करने हेतु नियुक्त अधिकारी-कर्मचारीगण, आवश्यक वस्तु की घर पंहुच सेवा, होम डिलेवरी में लगे कर्मचारियों तथा रसोई गैस सिलेण्डर वितरण व्यवस्था में लगे कर्मी, इलेक्ट्रानिक, प्रिंट मिडिया, दवा दुकानें एवं चिकित्सालय, समस्त प्रकार के ईंधन, परिवहन के साधन एवं भण्डारण डीपों, टीकाकरण सत्रों का आयोजन शासन निर्देशानुसार जारी रहेगा। परीक्षा केन्द्र आने-जाने वाले परिक्षार्थी तथा परीक्षा केन्द्र एवं परिक्षा आयोजकों से जुड़े कर्मी, अधिकारीगण, माल ढोने वाले वाहनों का आवागमन, राशन दुकानें एवं उपार्जन केन्द्रों पर खरीदी एवं एटीएम चालू रहेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 188 एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 51 से 60 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

# निजी चिकित्सक को साथ लेकर उसी के वाहन से छापा मारने पहुंची स्वास्थ अमले की टीम, कार्यवाही संदेह के घेरे में

## एक माह पूर्व रायपुरिया में हुई कार्रवाई पर उठे सवाल, बीएमओ ने कहा ऐसा हुआ तो करेंगे कार्रवाई

**माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत**

हर कोई जानता है कि, हर विभाग जिनके अधीन अवैध कामो को अंजाम दिया जाता हैं उस विभाग की बिना जानकारी और मिली भगत के सम्भव नही है, फिर चाहे वो काम आबकारी से जुड़ा शराब का व्यवसाय हो, सट्टे जैसे अपराध से जुड़ा पुलिस विभाग हो या फिर अवैध रूप से चिकित्सा से जुड़ा स्वास्थ्य विभाग हो, हर काम विभाग की देख-रेख और जानकारी में ही होता आया है। कई बार बड़े सवाल भी खड़े होते है जिनके जवाब में दिखावे की कार्रवाई होती है और फिर से वही कार्य वेसे ही चलता रहता है जैसा चलता आया है।

ऐसा ही एक मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटलावद के अंतर्गत आया, जहां की टीम रायपुरिया कस्बे में लगभग एक माह पूर्व फर्जी दांत के डॉक्टर के पर कार्रवाई करने पहुंची थी। देखा जाए तो सब कुछ प्रक्रिया के साथ हुआ, लेकिन मामले की पड़ताल में जो कुछ सामने आया उसके बाद जांच दल पर सवाल खड़े होते है।

### शिकायत पर बना था पंचनामा, दस्तावेज सही नही पाए जाने पर हुई थी कार्रवाई

फरवरी माह में बीएमओ पेटलावद, तहसीलदार की टीम ने रायपुरिया ग्राम के दौरे के दौरान मिली शिकायत के आधार पर राजगढ़ रोड पर फर्जी दांत का डॉक्टर होने की जानकारी मिलने पर जांच की और मौके का पंचनामा भी बनाया। बताया जा रहा है, मौके पर कुछ मशीने भी पाई गई और मौके पर मौजूद व्यक्ति द्वारा इलाज करने के संबंध में अपनी और से कुछ दस्तावेज भी पेश किए, जिसकी जांच के लिए मामले में कार्रवाई पंचनामा बनाकर खत्म कर दी। का समय बीत जाने के बाद मार्च महीने में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटलावद की टीम उक्त फर्जी दांत डॉक्टर के यहां छापा मारने पहुंची, लेकिन टीम को मौके से कोई मशीनें नही मिली। स्वास्थ्य अमले के दल ने मामले में उक्त डॉक्टर पर कार्यवाही करते हुए रायपुरिया थाने पर बिठा दिया, जहा उक्त डॉक्टर पर धारा 24 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। बताया जा रहा है, थाने पर मामला निपटाने के लिए चर्चा चलती रही लेकिन बात नही बनी, जिसके बाद डॉक्टर को वही से गिरफ्तार कर रात भर थाने पर रखा गया और अगले दिन कोर्ट में पेश किया, जहां से डॉक्टर को जेल भेज दिया गया।

### सरकारी अमला, निजी चिकित्सक और उसके वाहन से आखिर पहुंचा कार्यवाही करने

प्रकरण बनने के बाद स्वास्थ्य विभाग का कार्य लगभग समाप्त हो गया था लेकिन मामले में यहीं से लापरवाही उजागर हुई। जेल से जमानत मिलने के बाद घर लौटे फर्जी डॉक्टर के यहां स्वास्थ्य विभाग के दल जिसमे मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर शामिल हैं, फिर से पुलिस को साथ लेकर डॉक्टर के घर पहुंचकर इलाज के लिए लगी मशीनें जप्त करने के लिए दबाव बनाने लगे। इस दौरान पेटलावद का दांत डॉक्टर यशदीप ठाकुर भी इस दल के साथ शामिल था, जो खुद पेटलावद में निजी दंत चिकित्सक है। इतना ही नही उक्त दल जिस कार में बैठकर गया था वो कार एमपी 09 सीके 2017 इसकी भी जब पड़ताल की तो पता लगा कि, ये कार भी यशराज सिंह ठाकुर के नाम से रजिस्टर पाई गई। जिससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही संदेह के घेरे आई कि, आखिर क्यों एक निजी दंत चिकित्सक को साथ लेकर उसी के वाहन से स्वास्थ्य अमले की टीम उस डॉक्टर के यहां प्रकरण बनने के बाद दो से तीन बार गई। इस दौरान वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने फर्जी डॉक्टर के परिजनों से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर बघेल की हो रही बहस का वीडियो बना लिया, जसमे बघेल के साथ निजी दंत चिकित्सक और उसकी कार भी रिकॉर्डिंग में आ गई।

### परिवार ने सुनाई आप बीती, कैमरे पर कुछ भी कहने से किया इनकार

मामले की जानकारी मिलने के बाद हमने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरा घटनाक्रम जाना तो पता चला कि, कार्यवाही की आड़ में उन पर पैसे देने का दबाव बनाया गया और मौके से कोई सामग्री जप्त नही होने पर जांच पर आए दल ने बाजार से सामग्री खरीद कर रख दिया। वही पुलिस ने प्रकरण बनाने के बाद डॉक्टर को मुचलके पर नही छोड़ते हुए रात भर थाने पर रखा गया। परिवार का कहना है कि, सारी कार्यवाही होने के बाद बघेल डॉक्टर, निजी चिकित्सक के साथ तीन बार आकर पूरे घर की जांच की और दांत के इलाज में काम आने वाली मशीनों को जप्त करवाने का दबाव बनवाने लगे, साथ मे निजी चिकित्सक भी इस दौरान घर के और किराए के मकान में उनके साथ घूमकर जांच करता रहा। मामले में पीड़ित परिवार ने पैसों की मांग से लेकर कई खुलासे हमारे सामने किए, लेकिन डरे-सहमे परिवार ने केमरे के सामने कुछ भी कहने से मनाकर दिया।

### बीएमओ ने कहा मामला जानकारी में नही जांच करेंगे, निजी चिकित्सक के साथ होना गलत

पूरे मामले में बीएमओ चौपड़ा से जानकारी ली तो उनका कहना है कि, शिकायत के आधार पर कुछ समय पहले रायपुरिया के एक डॉक्टर के यहां पंचनामा बनाया और डॉक्टर द्वारा पेश डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन करने के बाद विभाग की टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। लेकिन कार्यवाही के दौरान निजी चिकित्सक या किसी के निजी वाहन ले जाने की कोई जानकारी नही है, अगर ऐसा जांच दल द्वारा किया गया है तो बिल्कुल गलत है, वीडियो के आधार पर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

यह स्वास्थ विभाग में लापरवाही का पहला मामला नही है। विभाग की मिलीभगत से आम जनता की जान से खिलवाड़ करने वाले कई डॉक्टर फर्जी रूप से इलाज कर रहे। उक्त मामले में रायपुरिया पहुंची विभाग की टीम ने किसी और फर्जी डॉक्टर या क्लिनिक पर कार्रवाई करना उचित नही समझा और पूरी कार्रवाई के दौरान रायपुरिया में फर्जी डिग्री के आधार पर काम कर रहे कई डॉक्टर बेफिक्र होकर काम करते रहे। लेकिन विभाग के और से एक ही डॉक्टर पर कार्यवाही की गई, जो कहीं न कहीं निजी चिकित्सक के स्वार्थ से जुड़ी दिख रही है।

### कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट में गड़बड़ी का मामला आया सामने

# जवाबदार अपनी लापरवाही के बाद भी दे रहे अपनी सफाई

## जिसने सैंपल ही नहीं दिया उसकी भी रिपोर्ट आई पॉजिटिव...!

**माही की गूंज, थांदला**

**सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कोविड-19 की हो रही जांच में लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। जो स्वास्थ्य विभाग में चल रही लापरवाही को उजागर कर रहा है। थांदला निवासी सतीश उपाध्याय 1 अप्रेल को अपने निजी कार्य से गुजरात गए थे, जिसके बाद उन्होंने कोविड-19 का टेस्ट करवाना उचित समझा। वह अपने मित्रों के साथ जांच करवाने कोविड सेंटर पहुंचे, वही काउंटर पर उनका नाम व मोबाइल नंबर लिखा गया और वहीं उन्हे पता चला कि, रिपोर्ट 2 दिन बाद मिलेगी। जिस पर सतीश ने कोविड-19 की जांच करवाना उचित नहीं समझा, क्योंकि उन्हें उसी दिन दोपहर में गुजरात के लिए निकलना था। जिसके बाद सतीश उपाध्याय वहां से टेस्ट करवाए बिना ही वापस आ गए। सतीश के साथ गए मित्रों ने कोविड का टेस्ट करवाया, जिनकी रिपोर्ट 5 अप्रेल को आई। जिसके बाद 9 अप्रेल को सतीश उपाध्याय की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई और उसी शाम सतीश के पास कॉल आता है कि, आपकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, आपको होम क्वारंटाइन में घर पर ही रहना पड़ेगा। जिस पर सतीश ने कॉल करने वाले व्यक्ति से कहा कि, मैंने तो कोई जांच ही नहीं करवाई है, तो मेरी रिपोर्ट पॉजीटिव कैसे आ सकती है।**

वही मामले में सतीश उपाध्याय का कहना है कि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोविड-19 रिपोर्ट जांच में इतनी बड़ी गड़बड़ी हो रही है, जिसने कोविड की जांच भी नहीं करवाई उसकी रिपोर्ट पोजीटिव आई है। तो जो व्यक्ति जांच करवा रहे हैं उनकी रिपोर्ट नेगेटिव से पॉजिटिव और पॉजिटिव से नेगेटिव होना कोई बड़ी बात नहीं है। इस हिसाब से बीएमओ अपने कार्य के प्रति सक्षम नहीं है। हर दिन कोई न कोई समस्या उत्पन्न होती जा रही है। तीन दिन पूर्व ही हम दोनों पति-पत्नी ने कोविड का टीका लगवाया है, अगर मैं पॉजेटिव होता तो, क्या मुझे कोविड वैक्सिंन का टिका लगता? ये स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही है। वही सतीश के साथ कोविड का टेस्ट करवाने गए वासुदेव नागर का कहना है कि, मैरे साथ आरपीटीसीआर के लिए सतीश उपाध्याय साथ आए थे, लेकिन इन्होंने किसी प्रकार का सेम्पल नही दिया, तो रिपोर्ट कैसे आई, यह बड़ा सवाल है। मामले में जब स्वास्थ्य अधिकारी बीएमओ डॉ. अनिल राठौड़ से बात की गई तो उनका कहना है कि, यदि सतीश के पास कॉल आया है तो उनका कोरोना टेस्ट जरूर हुआ होगा, हमारे रिकॉर्ड में उनकी रिपोर्ट ली गई है, जिस कारण उन्हें कॉल आया होगा, इतनी बड़ी गलती हमारे द्वारा नहीं की जा सकती है।

टाटा हिताची 210 एलसी सुपर पोकलेन (एस्केवेटर), जेसीबी 3 डीएक्स (बैकहो लोडर)
एवं ट्रेक्टर संबधी सभी कार्य के लिए संपर्क करे...

TATA HITACHI EX 210LC Super+ SERIES
पोकलेन
टाटा हिताची
210 एलसी सुपर
3 ऑपरेटर मो. 86026-23253

जेसीबी मशीन
(बैकहो लोडर)

1 ऑपरेटर मो. 93013-23253
4 ऑपरेटर मो. 86025-23253

कार्यालय - ओम श्री सांई ट्रेडर्स, बाजना मार्ग खवासा, जिला झाबुआ मो. 86026-60341


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422